वर्ष-10 अंक-277 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

प्रयागराज, शनिवार 18 जनवरी 2025

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

आधुनिक समाचार नेटर्वक

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From

Adhunik Samachar

नगर संस्करण

संक्षिप्त समाचार

कोटद्वार में हादसा दिल्ली की कार अनियंत्रित होकर खाई में गिरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पोखारी निवासी एक व्यक्ति दिल्ली से कार बुक कर अपने गांव आया था। कार चालक ने परिवार को खाल्यूंडांडा स्टैंड पर उतारा और खाल्यूंडांडा भौन मोटर मार्ग से होकर वापस दिल्ली की ओर लौटने लगा। वापसी में हादसा हो गया। उत्तराखंड के पौड़ी में बुधवार को दर्दनाक हादसा हो गया। दिल्ली के यात्रियों की कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे खाई में जा गिरी। इस दौरान हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक व्यक्ति घायल हुआ है।जानकारी के अनुसार, पोखारी निवासी एक व्यक्ति दिल्ली से कार बुक कर अपने गांव आया था। कार चालक ने परिवार को खाल्यूंडांडा स्टैंड पर उतारा और खाल्यूंडांडा भौन मोटर मार्ग से होकर वापस दिल्ली की ओर लौटने लगा।कुछ दूर जाकर ही कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। दुर्घटना में दो की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि रमेश लाल मैरा के लिए बैठे थे और प्रदीप दिल्ली से ही बैठकर आए थे । रमेश लाल और प्रदीप की मौके पर मृत्यु हो गई और ड्राइवर घायल है।

सुविधा ड्रोन के जरिए ऋषिकेश एम्स से 23 मिनट में हरिद्वार जेल पहुंची दवाइयां

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पिछले महीने कुछ कैदियों के सैंपल लेकर जांच के लिए एम्स ऋषिकेश भेजे गए थे। जांच में 10 कैदियों में हेपेटाइटिस सी की पुष्टि हुई थी। यह दवाइयां एम्स की ओर से ही कैदियों को मुहैया कराई जानी थी। एम्स ऋषिकेश से ड्रोन के जरिये जिला कारागार रोशनाबाद में हेपेटाइटिस सी से पीड़ित कैदियों के लिए दवाइयां पहुंचाई। करीब 23 मिनट के अंदर ड्रोन ऋषिकेश से रोशनाबाद दवाइयां लेकर पहुंचा। जेल प्रशासन के मुताबिक, पिछले महीने कुछ कैदियों के सैंपल लेकर जांच के लिए एम्स ऋषिकेश भेजे गए थे। जांच में 10 कैदियों में हेपेटाइटिस सी की पुष्टि हुई थी। इसके बाद एम्स के विशेषज्ञों ने दवाइयां शुरू करने की सलाह दी थी। यह दवाइयां एम्स की ओर से ही कैदियों को मुहैया कराई जानी थी। जिनको दूसरी जगह से मंगवाया गया। बुधवार को 10 मरीजों की हेपेटाइटिस सी रोग से बचाव करने के लिए दवाइयां को लेकर ड्रोन सुबह करीब 11:30 बजे ऋषिकेश से रवाना हुआ। एम्स की डायरेक्टर मीनू सिंह और डॉक्टर अजीत भदोरिया ने ड्रोन को रवाना किया। करीब 23 मिनट बाद ड्रोन हरिद्वार हरिद्वार जिला कारागार पहुंच गया।

हिस्ट्रीशीटर को छुड़ाने पहुंची भीड़ का कोतवाली में हंगामा, पुलिस ने किया लाठीचार्ज,कई युवक घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सुभान एनडीपीएस में वांछित चल रहा है। पुलिस कई दिनों से उसे गिरफ्तार करने के प्रयास में लगी थी। बताया गया है कि बुधवार को वह चुनाव प्रचार कर रहा था और किसी ने इस

पर आपत्ति जताते हुए पुलिस को सूचना दे दी।लंढौरा में अध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी के हिस्ट्रीशीटर बेटे को पुलिस गिरफ्तार कर कोतवाली ले आई। जहां उसे छुड़ाने के लिए पहुंची लोगों की भीड़ ने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा बढ़ते हुए देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर बितर कर दिया। इस दौरान महिलाओं समेत कई युवक घायल हो गए। प्रदर्शनकारी अपने वाहनों को छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेते हुए कई वाहनों को कब्जे में लिया है। अब इन वाहनों के आधार पर पुलिस प्रदर्शनकारियों को चिह्नित कर रही है।कस्बा लंढौरा निवासी सुभान मंगलौर कोतवाली का हिस्ट्रीशीटर है। सुभान के पिता नगर पंचायत लंढौरा से अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रहे हैं। सुभान एनडीपीएस में वांछित चल रहा है। पुलिस कई दिनों से उसे गिरफ्तार करने के प्रयास में लगी थी। बताया गया है कि बुधवार को वह चुनाव प्रचार कर रहा था और किसी ने इस पर आपत्ति जताते हुए पुलिस को सूचना दे दी। जिस पर पुलिस सुभान को गिरफ्तार कर कोतवाली ले आई। सुभान की गिरफ्तारी की जानकारी समर्थकों को लगी तो उनमें रोष व्याप्त हो गया और सभी हिस्ट्रीशीटर को छुड़ाने के लिए मंगलौर कोतवाली पहुंच गए।थोड़ी देर में ही कोतवाली में लोगों का जमावड़ा लग गया और उन्होंने हंगामा करना शुरू कर दिया। पुलिस ने लोगों को समझाने का प्रयास किया लेकिन भीड़ सुभान को छोड़ने की जिद पर अड़ गई। हंगामा बढ़ता देख पुलिस ने लाठियां फटकराते हुए भीड़ को तितर बितर करने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ कोतवाली से हटने को तैयार नहीं हुई। जिस पर पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इसके बाद लोग अपने वाहनों को मौके पर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने इस दौरान कई लोगों को हिरासत में लेने के साथ ही वाहनों को कब्जे में ले लिया है। अब पुलिस इन लोगों से पूछताछ कर रही है। लाठीचार्ज में महिलाओं समेत कई युवक घायल बताए जा रहे हैं। कोतवाली प्रभारी शांति कुमार गंगवार ने बताया कि हिस्ट्रीशीटर को पकड़कर लाया गया था जिसको छुड़ाने के लिए भीड़ कोतवाली में हंगामा कर रही थी। समझाने पर भी नहीं माने तो सख्ती से उन्हें हटाया गया। हिस्ट्रीशीटर सुभान स्मैक तस्करी के लिए जिलेभर में कुख्यात है। आरोपी के खिलाफ अलग-अलग थानों में 25 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी सुभान को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

रात भर से रुक-रुककर हो रही बारिश, बादल गरजे कड़क रही है बिजली, कोहरे से 29 ट्रेनें लेट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बादल गरज रहे हैं और रह-रहकर बिजली भी कड़क रही है। इससे ठंडक का अहसास बढ़ गया है। मौसम विभाग ने एक

नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण बुधवार रात से हल्की बारिश की भविष्यवाणी की थी। कल से हो रही बारिश का सिलसिला जारी है। दिल्ली-एनसीआर में रात भर से रुक-रुककर बारिश हो रही है। बादल गरज रहे हैं और रह-रहकर बिजली भी कड़क रही है। इससे ठंडक का अहसास बढ़ गया है। मौसम विभाग ने एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण बुधवार रात से हल्की बारिश की भविष्यवाणी की थी। कल से हो रही बारिश का सिलसिला जारी है। राष्ट्रीय राजधानी और उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में कोहरे की स्थिति के कारण दिल्ली जाने वाली 29 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। मौसम विभाग ने तीन दिन के लिए घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। 16 जनवरी से 18 जनवरी तक अधिकतम तापमान 17 से 19 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7-8 डिग्री के बीच रहने की संभावना है। वहीं 21 जनवरी से फिर से एक बार बारिश की भविष्यवाणी की गई है। इस दौरान तापमान 22 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री रह सकता है। दिल्ली-एनसीआर में ठंड के साथ-साथ अब कोहरे ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। बुधवार को भी सुबह जब लोग उठे तो हर तरफ कोहरा ही कोहरा था। दिल्ली समेत पूरा एनसीआर दोपहर 11 बजे तक घने कोहरे की चादर में लिपटा रहा। आलम यह रहा कि कोहरे के कारण आसपास के घर भी दिखाई नहीं दे रहे थे। इसका असर हवाई उड़ानों, ट्रेनों और यातायात पर भी पड़ा। कोहरे का असर यह रहा कि सुबह 8:30 बजे अधिकतर इलाकों में दृश्यता शून्य रह गई। मौसम विभाग ने 16 से 18 जनवरी तक घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। दिल्ली में बुधवार सुबह की शुरुआत घने कोहरे के साथ हुई है। सुबह करीब 5:30 बजे दृश्यता 100 से 150 मीटर के बीच दर्ज हुई थी, जो सुबह 8:30 बजे तक घट कर 0 से 100 मीटर के बीच ही रह गई। कई इलाकों में दस बजे तक हालात सामान्य नहीं हो सके। इस कारण से कार्यालय जाने वालों को काफी परेशानी हुई। हालांकि दोपहर 12:30 बजे के बाद हल्की धूप खिली लेकिन इसकी तपिश हल्की होने के कारण ठंड से राहत नहीं मिली। एक से दो घंटे तक हल्की धूप रहने के बाद फिर से कोहरा व बादल छा गए और ठंड का अहसास हुआ।

गंभीर श्रेणी की दहलीज पर पहुंची आबोहवा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सुबह के समय आसमान में घनी धुंध के साथ स्मॉग की मोटी चादर छाई नजर आई। प्रदूषण का स्तर बढ़ने से लोगों को आंखों में जलन व सांस लेने में परेशानी महसूस हुई। राजधानी में हवा की गति कम होने व दिशा बदलने से आबोहवा गंभीर श्रेणी की दहलीज पर पहुंच गई है। बुधवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 386 दर्ज किया गया। यह बेहद खराब श्रेणी में है। इसमें मंगलवार के मुकाबले 111 सूचकांक की वृद्धि दर्ज की गई। सुबह के समय आसमान में घनी धुंध के साथ स्मॉग की मोटी चादर छाई नजर आई। प्रदूषण का स्तर बढ़ने से लोगों को आंखों में जलन व सांस लेने में परेशानी महसूस हुई। ऐसे में लोग अपने घरों से मास्क पहनकर बाहर निकले। सबसे अधिक परेशानी सांस के मरीजों और बच्चों को हुई।

कोर्ट ने आप विधायक नरेश बाल्यान की जमानत याचिका की खारिज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत एक मामले में आम आदमी पार्टी के विधायक नरेश बाल्यान की जमानत याचिका खारिज कर दी है। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आवेदन खारिज कर दिया।दिल्ली कोर्ट ने मकोका मामले में आप विधायक नरेश बाल्यान की जमानत याचिका खारिज कर दी। नरेश बाल्यान को चार दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने उन्हें जबरन वसूली के मामले में जमानत दे दी थी। इसके बाद आठ जनवरी को पुलिस ने इस जमानत का विरोध किया था। दिल्ली पुलिस ने कहा कि बाल्यान संगठित अपराध करने वाले गिरोह के एक सहयोगी थे। इसके बाद पुलिस ने अदालत से अर्जी लगाई थी कि बाल्यान की जमानत मकोका केस में रद्द की

जाए। राउज एवेन्यू कोर्ट ने महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत एक मामले में आम आदमी पार्टी के विधायक नरेश बाल्यान की जमानत याचिका खारिज कर दी है। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आवेदन खारिज कर दिया। वहीं, अदालत ने बाल्यान की दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल के लिए दस्तावेज पर दस्तखत करने की मांग वाली याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया। पुलिस ने बाल्यान की जमानत याचिका का विरोध करते हुए दलील दी थी कि वह संगठित अपराध सिंडिकेट में सहायक था। पुलिस की ओर से पेश विशेष लोक अभियोजक अखंड प्रताप सिंह ने दलील दी कि अगर जमानत दी गई तो बाल्यान गवाहों को प्रभावित कर सकता है, सबूत नष्ट कर सकता है और जांच में बाधा डाल सकता है। उन्होंने दलील दी कि गवाहों ने कबूल किया है कि आरोपी बाल्यान कपिल सांगवान के संगठित अपराध सिंडिकेट में सहयोगी है। उसने अपराध करने के बाद सिंडिकेट के एक सदस्य को गिरफ्तारी से बचने के लिए खर्च के लिए पैसे मुहैया कराए हैं। उन्होंने दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में सिंडिकेट सदस्यों के खिलाफ दर्ज 16 प्राथमिकी का हवाला दिया और दावा किया कि इसने भारी मात्रा में अवैध संपत्ति अर्जित की है।

स्कूल बस के टायर के नीचे आने से बच्चे की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। खटीमा के उमरुकला गांव में निजी स्कूल बस की चपेट में आने से डेढ़ वर्षीय बालक की मौत हो गई। बच्चे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। खटीमा नगर के उमरुकला गांव में निजी स्कूल बस के टायर के नीचे आने से डेढ़ वर्षीय बालक की मौत हो गई। बड़े बेटे को स्कूल बस से लेने लिए वह मां के साथ पीछे गया था। बच्चे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। आरोपी चालक बस को छोड़कर भाग गया। उमरुकला, बिचई निवासी बबीता मेहता बुधवार दोपहर करीब पौने दो बजे अपने घर के गेट के सामने बड़े पुत्र मानिक के स्कूल से लौटने का इंतजार कर रही थी। तभी महिला के पीछे-पीछे उसका छोटा पुत्र डेढ़ वर्षीय तेजस भी आ गया। इसका महिला को पता नहीं चला। इस दौरान स्कूल बस से बड़े पुत्र मानिक को लेकर महिला घर के गेट की तरफ जाने लगी।

उमड़ा आस्था का जनसैलाब 1.10 करोड़ पुण्यार्थियों ने लगाई डुबकी, टूटा रिकॉर्ड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। इस बार एक जनवरी से बुधवार तक 1.10 करोड़ तीर्थयात्रियों ने पवित्र डुबकी लगाई।

पिछली बार 1.5 करोड़ पुण्यार्थियों ने पवित्र स्नान किया था। पवित्र गंगासागर मेले में इस बार आस्था का जनसैलाब उमड़ा। इस बार पवित्र स्नान का पिछली बार का रिकॉर्ड टूट गया। मकर संक्रांति का पुण्य स्नान का समय मंगलवार सुबह से शुरू होकर बुधवार सुबह 6.58 मिनट तक था। इस बार एक जनवरी से बुधवार तक 1.10 करोड़ तीर्थयात्रियों ने पवित्र डुबकी लगाई। पिछली बार 1.5 करोड़ पुण्यार्थियों ने पवित्र स्नान किया था। यह जनकारी देते हुए राज्य के विद्युत मंत्री अरूप विश्वास ने कहा, कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान किया और कपिल मुनि के आश्रम में पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि अभी भी हजारों की संख्या में पुण्यार्थी गंगा सागर की ओर आ रहे हैं क्योंकि मेला 17 जनवरी तक चलेगा ऐसे में पुण्यार्थियों की संख्या और बढ़ेगी। उन्होंने कहा, इसमें देश और दुनिया से भक्त पहुंचे लेकिन उत्तर प्रदेश से सबसे अधिक संख्या में भक्त गंगासागर पहुंचे। कुंभ मेले के बावजूद भक्तों ने पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया।एक सवाल के जवाब में अरूप विश्वास ने कहा, कपिल मुनि मंदिर और आश्रम को लेकर सबको चिंता है। हम समुद्र की कटाव को रोकने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं। सरकार को इसकी चिंता है। कई संस्थाओं के साथ मिलकर इसकी सर्वे की जा चुकी है। ममता सरकार इस कटाव को रोकने के लिए कई तरह के प्रयास कर रही है, ताकि हम कपिल मुनि मंदिर और आश्रम की रक्षा कर सकें। उल्लेखनीय है कि समुद्र अब कपिल मुनि मंदिर और आश्रम से अब करीब 470 मीटर की दूरी पर है। लगातार कटाव होने से समुद्र मंदिर के बहुत करीब तक पहुंच चुका है। क्योंकि तीर्थयात्री गंगासागर में पवित्र स्नान करने के बाद कपिल मुनि मंदिर में पूजा-अर्चना करते हैं। इसलिए भक्तों की चिंता लगातार बढ़ रही है।

मायावती को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, 2009 में लगाई गई मूर्तियों पर दायर जनहित याचिका खारिज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को राज्य में हाथी के प्रतीक वाली मूर्तियां स्थापित करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने जांच की मांग करने वाली जनहित

याचिका खारिज कर दी। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की प्रमुख मायावती को बुधवार को सुप्रीम कोर्ट बड़ी राहत मिली। शीर्ष कोर्ट ने 2009 में उनकी सरकार में लगाई गई मूर्तियों पर जांच की मांग करने वाली एक जनहित याचिका (पीआईएल) को खारिज कर दिया। याचिका में आरोप लगाया गया था कि मायावती ने मुख्यमंत्री रहते हुए बजट से 2,000 करोड़ रुपये खर्च किए, जो उनके और उनकी पार्टी के चुनावी प्रतीक 'हाथी' की मूर्तियों को स्थापित करने में खर्च किए गए थे। याचिका दो वकीलों रवि कांत और सुकुमार की ओर से दायर की गई थी। जस्टिस बी.वी.नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि अधिकांश मुद्दे अब अधिकतर मुद्दे अब अप्रासंगिक हो चुके हैं। कोर्ट ने इस बात पर गौर किया कि चुनाव आयोग पहले ही इस मुद्दे पर दिशा-निर्देश जारी कर चुका है। जनहित याचिका में आरोप लगाया गया था कि 2008-09 और 2009-10 के दौरान जब मायावती उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री थीं, तब राज्य के बजट से 2,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे, जिनका उपयोग उनकी मूर्तियों और बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के चुनावी प्रतीक हाथी की मूर्तियां विभिन्न स्थानों पर स्थापित करने में किया गया। वकील प्रकाश कुमार सिंह के माध्यम से दायर याचिका में दावा किया गया था कि 60 हाथी की मूर्तियों की स्थापना पर 52.2 करोड़ रुपये खर्च करना न केवल सार्वजनिक धन की बर्बादी है, बल्कि यह चुनाव आयोग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के भी खिलाफ है। मायावती ने 2 अप्रैल 2019 को अपने फैसले का बचाव करते हुए सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि उनके मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान 'जनता की इच्छा' थी कि विभिन्न स्थानों पर उनकी और बीएसपी के चुनावी प्रतीक की मूर्तियां स्थापित की जाएं। उन्होंने कोर्ट में दलील दी थी कि कांग्रेस ने भी अतीत में अपने नेताओं की मूर्तियां स्थापित की थीं। (देश के पहले प्रधानमंत्री) पंडित जवाहर लाल नेहरू, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और नरसिम्हा राव की मूर्तियां देशभर में लगाई गई थीं।

प्रदूषण बढ़ा स्कूलों के लिए भी यह आदेश जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।इलेक्ट्रिक, सीएनजी व बीएस-4 डीजल वाहनों को छोड़कर, दिल्ली के बाहर पंजीकृत गैर-जरूरी

हल्के वाणिज्यिक वाहनों पर भी प्रतिबंध रहेगा। खुले में कचरा जलाने पर रोक रहेगी।दिल्ली-एनसीआर में बढ़े वायु प्रदूषण के चलते ग्रैप-4 की पाबांदियां लागू कर दी गई हैं। इसके तहत राजमार्गों, सड़कों, फ्लाईओवरों, बिजली लाइनों, पाइपलाइनों व सार्वजनिक परियोजनाओं समेत सभी निर्माण गतिविधियों पर पाबंदी रहेगी। इलेक्ट्रिक, सीएनजी व बीएस-4 डीजल वाहनों को छोड़कर, दिल्ली के बाहर पंजीकृत गैर-जरूरी हल्के वाणिज्यिक वाहनों पर भी प्रतिबंध रहेगा। उधर, दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने 10वीं और 12वीं को छोड़कर अन्य कक्षाओं को हाइब्रिड मोड में संचालित करने का आदेश जारी किया है।कारखानों, निर्माण कार्यों यातायात पर कड़ी पाबंदियां रहेगी। दिल्ली में ट्रक लोडर समेत अन्य भारी वाहनों को प्रवेश नही मिलेगा। सभी तरह के निर्माण और तोड़फोड़ कामों पर प्रतिबंध रहेगा। कच्ची सड़कों पर वहां आवागमन निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहनों पर रोक रहेगी। खुले में कचरा जलाने पर रोक रहेगी, पॉलीथिन और प्रदूषणकारी पदार्थों का उपयोग भी प्रतिबंधित रहता है।

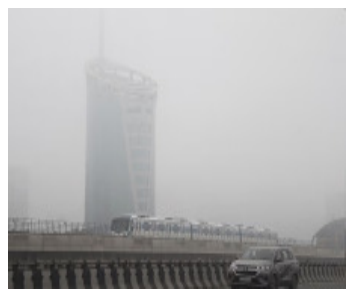

राजधानी के लोकनायक अस्पताल में छात्रा से दुष्कर्म, टेक्निशियन है आरोपी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बीएससी की 19 वर्षीय छात्रा परिजनों के इलाज के लिए अस्पताल आती थी। यहां आरोपी

ने सोमवार को वारदात को अंजाम दिया। मध्य दिल्ली के एलएनजेपी (लोकनायक जयप्रकाश नारायण) अस्पताल में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बीएससी की 19 वर्षीय छात्रा परिजनों के इलाज के लिए अस्पताल आती थी। यहां आरोपी ने सोमवार को वारदात को अंजाम दिया।पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अस्पताल में टेक्निशियन है। आरोपी शादीशुदा है। पुलिस के मुताबिक पीड़िता परिवार के साथ मध्य दिल्ली में रहती है। वह डीयू के एक कॉलेज से बीएससी कर रही है। पिछले काफी समय से उसका अस्पताल आना-जाना था। इसी दौरान आरोपी ने इलाज में मदद के बहाने छात्रा से दोस्ती की।पीड़िता सोमवार को एक परिजन को लेकर अस्पताल पहुंची। इस दौरान आरोपी उसे एक सुनसान कमरे में ले गया। वहां वारदात करने के बाद किसी को भी बताने पर बुरे अंजाम की धमकी दी। मगर अस्पताल से निकलते ही पीड़िता ने पुलिस को खबर दी। बाद में पुलिस मौके पर पहुंची। छानबीन के बाद आईपी इस्टेट थाना पुलिस ने दुष्कर्म की धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने वारदात करने की बात स्वीकार की है। पुलिस उसके मोबाइल को कब्जे में लेकर पड़ताल शुरू कर दी है।

पूर्व सीएम केजरीवाल सहित 235 उम्मीदवारों ने अब तक किया नामांकन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 70 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 70 आरओ नियुक्त किए

गए हैं। दिल्ली के सभी 11 जिला निर्वाचन कार्यालयों में संबंधित विधानसभा क्षेत्र के आरओ कार्यालय में उम्मीदवार नामांकन के लिए आवेदन दे सकेंगे। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर बुधवार तक 235 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया। अब तक मुख्यमंत्री आतिशी, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत, कांग्रेस, भाजपा के कई उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल किया है। बीते शक्रवार, सोमवार, मंगलवार और बुधवार को मिलाकर कुल 235 उम्मीदवारों ने 341 नामांकन दाखिल किया है। शुक्रवार 17 जनवरी को नामांकन की अंतिम तिथिी है।दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से जुड़े अधिकारी ने बताया कि शनिवार और रविवार को अवकाश होने के कारण नामांकन प्रक्रिया बंद रही। अधिकारी ने बताया कि 70 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 70 आरओ नियुक्त किए गए हैं। दिल्ली के सभी 11 जिला निर्वाचन कार्यालयों में संबंधित विधानसभा क्षेत्र के आरओ कार्यालय में उम्मीदवार नामांकन के लिए आवेदन दे सकेंगे। 70 आरओ कार्यालय में कुल 350 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। उम्मीदवार अधिकतम पांच वाहन इस्तेमाल कर सकते हैं लेकिन वाहनों को आरओ कार्यालय से 100 मीटर पहले ही रोकना होगा।वहीं आरओ कार्यालय के 100 मीटर के परिधि में अधिकतम तीन वाहन ही स्वीकृत होंगे। इसके अलावा नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए आरओ कार्यालय में उम्मीदवार सहित पांच लोगों के प्रवेश की स्वीकृति रहेगी। नामांकन के लिए सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए 10,000 रुपये और एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए आधी राशि होगी।

अधोरियां की रहस्यमय जिन्दगी पर एक फिर पर्दे पर बन रही है नई डॉक्यूमेंट्री - एहसास कांजीलाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। बोंग डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्मिता व पत्रकार एहसास कांजीलाल अपनी दूसरी डॉक्यूमेंट्री से अधिक पुरस्कार जीते थे, एहसास अनकही कहानियों को गहराई से जानने के लिए तैयार है। द् सेक्रेड स्कल्स रहस्यमय को पकडते हुए गलत समझे जाने वाले और अक्सर गलत तरीके से प्रस्तुत किए जाने वाले अघोरियों पर प्रकाश डालना है। उनकी पहली

फिल्म द् सेक्रेड स्कल्स की शूटिंग शुरु करने के लिए पूरी तरह से तैयार है, जो अघोरियों की रहस्यमय व आकर्षक दुनियां की एक गहन खोज है। फिल्म की शूटिंग 14 जनवरी 2025 को प्रयागराज में आयोजित महाकुभ मेले के दौरान शाही स्नान से शुरु की गई। एहसास कांजीलाल अपनी पहली डॉक्यूमेंट्री रेड नॉट्स की जबरदस्त सफलता के बाद, जिसमें राष्टीय व अंतराष्टीय स्तर पर 30 अघोरी संप्रदाय के अस्तित्व, विश्वास, जीवनशैली, इतिहास व वर्तमान वास्तविकताओं में एक गहरी अंतदृष्टि प्रदान करने का वादा करती है। द् सेक्रेड स्कल्स डॉक्यूमेंट्री फिल्म का पोस्टर हॉल ही में रिलीज किया गया था। एहसास कांजीलाल ने कहा कि यह सिर्फ एक डॉक्यूमेंट्री नहीं है बल्कि एक आध्यात्मिक यात्रा है। द् सेक्रेड स्कल्स के माध्यम से हमारा उद्देश्य अघोरियों की मान्यताओं व रीति रिवाजों के सार डॉक्यूमेंट्री रेड नट्स बहुत सफल रही। इसके बाद फिल्म निर्माता एहसास कांजीलाल अपनी अगली फिल्म पर काम शुरु करने के लिए तैयार है। एहसास कांजीलाल की दूसरी डॉक्यूमेंटी द् सेक्रेड स्कल्स आम आमदी को रहस्ममयी अधोरी संतों की दुनियां में ले जाएगी, उनके पवित्र अनुष्ठानों, ऐतिहासिक उत्पति व समकालीन समाज में उनके महत्व को उजागर किया जाएगा। द् सेक्रेड स्कल्स अधोरो के जीवन का गहन अंवेषण करने का वादा करती है, जो अपनी अपरंपरागत व अक्सर गलत समझी जाने वाली प्रथाओं के लिए जाने जाते है। इस अनुष्ठान के आध्यात्मिक व सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालेगा। यह दर्शकों के सामने अघोरी जीवनशैली का गहन चित्र प्रस्तुत करेगा। सुमना कांजीलाल व मोजोटेल एंटरटेनमेंट्स एंड डिस्टीब्यूशंस द्वारा निर्मित द् सेक्रेड स्कल्स एक समुदाय के व्यावहारिक व श्रद्धपूर्ण चित्रण के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने का वादा करता है। एक समुदाय जो लंबे समय से रहस्य में डूबा हुआ है। महज 23 साल की उम्र में कांजीलाल का निर्देशन एक बार फिर उनकी इस अनूठी दृष्टि व कहानी करने के कौशल को सामने लाएगा। निर्मताओं का मानना है कि यह वृतचित्र एक ही समय में जानकारीपूर्ण व प्रेरक होगा। दिल्ली के रहने वाले गौरव छाबड़ा व उनके प्रोडक्शन हाउस प्रज्ञामैटिक फिल्म्स द्वारा निर्मित, गौरव छाबडा द्वारा सह निर्मित व प्रशंसित अभिनेत्री तनुश्री चक्रवर्ती द्वारा प्रस्तुत द् सेक्रेड स्कल्स में एक गहन किरदार प्रस्तुत किया है। विश्व स्तर पर गूंजने वाली सम्मोहक कहानियों की प्रतिष्ठा के साथ फिल्म निर्माण में एक मानक स्थापित करने के लिए तैयार है।

वजीर पुर विधानसभा से कांग्रेस की प्रत्याशी रागिनी नायक ने किया नामांकन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा एनएसयूआई से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक संगठन के लिए दिन-रात मेहनत करने वाली डॉ रागिनी नायक विधानसभा के अंदर वजीरपुर और दिल्ली के लिए भारती, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष गौतमबुधनगर राज कुमार मोनू, युवा कांग्रेस गौतमबुद्धनगर जिलाध्यक्ष जावेद खान, नोएडा विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष नीरज आवाना, महासचिव युवा कांग्रेस राम चन्द्र

एक बेबाक आवाज़ साबित होंगी। जिसमें नोएडा से अन्तर्राष्ट्रीय शूटर किसान नेता कांग्रेस नेता पूनम पंडित,वरिष्ठ कांग्रेस नेता एडवोकेट दिनेश अवाना, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल राय,महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा पूर्व अध्यक्ष शहाबुद्दीन, पूर्व एआईसीसी सदस्य राज कुमार गुप्ता, जिला सचिव युवा कांग्रेस श्याम दीक्षित, सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष गौतमबुधनगर मोहम्मद जीशान चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष गौतमबुधनगर सोशल मीडिया मोहम्मद गुलफाम,सोशल आउटरीच अध्यक्ष नोएडा महानगर योगेन्द्र भाटी लडपुरा,नसीम , श्याम बाबू व अन्य लोग मौजूद रहे।

मानसिक रोगियों एवं बौद्धिक रुप से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए गठित इकाई हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। मा0 उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं मा0 जनपद न्यायाधीश राजकुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में मानसिक रोगियों एवं बौद्धिक रुप से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए गठित इकाई के सदस्यों हेतु दो दिवसीय शामिनी श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष साइकोलॉजी विभाग फिरोज गाँधी डिग्री कालेज द्वारा भी अपने वक्तव्य कहा गया कि अवसादग्रस्तता विकार, द्विध्रुवी विकार, चिंता विकार, मानसिक बीमारियाँ, आवेग नियंत्रण विकार और अन्य शामिल हैं। इन बीमारियों और स्वयं विकलांगताओं से जुड़े लक्षणों के

प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 16 व 17 जनवरी 2025 को ए0डी0आर0 सेन्टर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुपम शौर्य, अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बताया गया कि मानसिक रोगियों एवं बौद्धिक रुप से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए जनपद स्तर पर इकाई का गठन निःशुल्क सक्षम न्याय प्रदान किए जाने हेतु किया गया है। यह इकाई जनपद स्तर पर मानसिक रोगियों और बौद्धिक विकलांगता वाले व्यक्तियों को कानूनी सेवाओं के प्रावधान के संबंध में जानकारी प्रदान करेगी। इसके अतिरिक्त इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डा0 कारण, इन व्यक्तियों को अक्सर मानसिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के ढांचे में सेवा दी जाती है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में सेवानिवृत्त जिला जज राजबहादुर सिंह व डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिंल जय सिंह यादव के द्वारा भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बसन्तलाल, प्रबन्धक नशा उन्मूलन इकाई, पैनल अधिवक्ता अनिल कुमार प्रजापति, विवेक शर्मा, रंजीत यादव, विवेक शुक्ला व पराविधिक स्वयं सेवक पूनम सिंह, बृजपाल, पवन कुमार श्रीवास्तव, लालता प्रसाद, नागेन्द्र कुमार, ज्योति वर्मा, दीक्षा, जालिपा प्रसाद व राजकमल उपस्थित रहे।

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह द्वारा शहद उत्कृष्टता केंद्र का शिलान्यास किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। मा0 राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात, उत्तर प्रदेश सरकार दिनेश प्रताप सिंह द्वारा राजकीय औद्यानिक प्रक्षेत्र शिवगढ़ (निकट बस स्टॉप शिवगढ़), रायबरेली में शहद उत्कृष्टता केन्द्र का शिलान्यास किया गया। मा0 मंत्री जी ने कहा कि शहद उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना से रायबरेली व निकटवर्ती जनपदों के लघु सीमान्त / भूमिहीन कृषकों को मधुमक्खी पालन से जागरूक करते हुए रोजगार के साधन उपलब्ध कराया जाएगा, साथ ही किसानों की आय में वृद्धि करेगा। रायबरेली व निकटवर्ती जनपदों के शिक्षित बेरोजगारों को आधुनिक मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।शहद उत्कृष्टता केन्द्र के शिलान्यास साथ ही एकीकृत बागवानी विकास मिशन

योजनान्तर्गत जनपदीय स्तरीय गोष्ठी का आयोजन भी सम्पन्न हुआ है। मा0 मंत्री जी ने कहा कि शहद उत्कृष्टता केन्द्र, जनपद रायबरेली की प्रगति एवं उन्नति में मील का पत्थर साबित होगी। जिससे जनपद के सभी कृषक लाभान्वित होगें। इसके पश्चात मा0 मंत्री जी ने विकास खण्ड बछरावां में जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किया। इस अवसर पर मा0 मंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार गरीबों और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए प्रतिबद्ध है, यह कंबल वितरण कार्यक्रम हमारे इस प्रतिबद्धता का एक हिस्सा है। मा0 मंत्री जी ने कार्यक्रम में उपस्थित क्षेत्रीय निवासियों को केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए लोगों से अपील किया कि आप सब लोग सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं और अपने जीवन में परिवर्तन लाएं।

जेल गए किसानों के सम्मान में पथला गांव में हुआ स्वागत समारोह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा जनपद गौतम बुध नगर में चल रहे किसान आंदोलन के हक अधिकारों की मजबूती से लड़ाई लड़ने वाले किसान नेता सुखबीर खलीफा, डॉक्टर रुपेश

में जेल गए किसानों के सम्मान में भारतीय किसान परिषद ने गांव पथला सेक्टर- 122, नोएडा पर सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया! सम्मान समारोह में किसानों वर्मा, सोरन प्रधान, उदल आर्य, जयवीर प्रधान, वीर सिंह नागर, प्रमोद शर्मा, गंगेश्वर दत्त शर्मा सहित सैकड़ो किसानों को फूल माला पहनाकर व पगड़ी बांधकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखबीर खलीफा, अखिल भारतीय किसान सभा गौतम बुध नगर जिलाध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा, किसान एकता संघ के अध्यक्ष सोरन प्रधान ने किसान आंदोलन की पूरी जानकारी लोगों के सामने विस्तार से रेखांकित करते हुए आगामी आंदोलन के लिए क्षेत्र के किसानों को उत्साहित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मजदूर संगठन सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि चल रही लड़ाई हमारे वर्तमान और भविष्य की पीढ़ी की लड़ाई है इस लड़ाई को हमें हर हाल में लड़कर जितना ही होगा।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

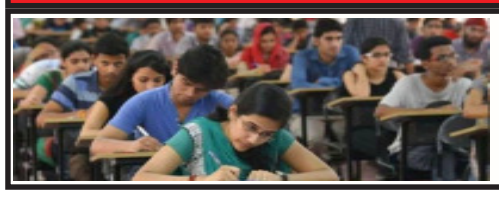

प्रदेश आस/पास

भारत

टीबी के लक्षणों को न करें नजरंदाजः सदर विधायक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी)के तहत जनपद में सात दिसम्बर से 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान चल रहा है।

इसी क्रम में बुधवार को फ़िरोज़ गाँधी कॉलोनी स्थित पार्क में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ द्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सदर विधायक अदिति सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साल 2025 तक देश से क्षय रोग के उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरे प्रदेश में 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान शुरू किया है जिसका उद्देश्य है टीबी रोगियों का पता लगाकर उन्हें तत्काल उपचार पर लाना व टीबी से होने वाली मौतों को रोकना। सदर विधायक ने आम जनमानस से अपील की है कि जिन्हें भी टीबी के लक्षण महसूस हों तो इन्हें नजरअंदाज न करें और पास के स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर जांच कराएँ। टीबी की सभी जांचें और दवाएं स्वास्थ्य केन्द्रों पर निःशुल्क हैं। साथ ही टीबी रोगियों को इलाज के दौरान हर माह 1000 की धनराशि खाते में भेजी जाती है। उन्होने एक क्षय रोगी को पोषण पोटली दे कर जनपद के जनप्रतिनिधियों, सभ्रांत तथा प्रतिष्ठित लोगों से अपील की कि वह सामजिक उत्तरदायित्व निभाते हुए इस अभियान से जुड़ें और टीबी रोगियों को गोद लेकर उन्हें पौष्टिक खाद्य सामग्री वितरित करें। इस मौके पर जिला क्षय रोग अधिकारी डा. अनुपम सिंह ने टीबी के लक्षणों के बारे में उपस्थित जन सामान्य को बताया कि दो सप्ताह से अधिक खांसी आना, खांसते वक्त बलगम के साथ खून आना, लगातार वजन कम होना, भूख न लगना, शाम के समय बुखार आना तथा रात में पसीना आना आदि यह टीबी के लक्षण हैं। इन्हें जाने और अपने घर व पास-पड़ोस, दोस्तों के साथ इस पर चर्चा करें। टीबी छुपाने से बढ़ेगी, कम नहीं होगी। इसलिए टीबी छुपायें नहीं। यह लाइलाज नहीं है। नियमित इलाज और पौष्टिक भोजन के सेवन से ठीक हो जाती है। इस मौके पर एनटीईपी के सदस्य और आम जनमानस मौजूद रहे।

18 जनवरी को पोर्टल पर कृषि यंत्रों की बुकिंग करने वाले किसानों को ई-लॉटरी के माध्यम से किया जायेगा चयन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। उप कृषि निदेशक विनोद कुमार ने बताया है कि सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन एवं समस्त यंत्रीकरण योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में कृषि यंत्रों के वितरण से सम्बन्धित कृषकों के चयन हेतु जिलाधिकारी महोदया रायबरेली की अध्यक्षता में गठित समिति के सदस्यों की उपस्थित में 18 जनवरी 2025 को कृषि भवन सभागार, रायबरेली में अपरान्ह 1:00 बजे से ई-लॉटरी का आयोजन किया गया, जिसमें https://agriculture.uped.goved.in पोर्टल पर ऑन लाइन बुकिंग करने वाले जनपद के कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा। कृषि यंत्रीकरण योजनान्तर्गत समस्त यंत्रों यथा-रोटावेटर, कल्टीवेटर, थ्रेसर, लेजर लैण्ड लेवलर, चारा काटने की मशीन, स्माल गोदाम, थ्रेसिंग फ्लोर, कस्टम हायरिंग सेन्टर की स्थापना इत्यादि हेतु ई-लॉटरी के माध्यम से कृषकों का चयन किया जायेगा। 06 दिसम्बर से 20 दिसम्बर 2024 तक कृषि विभाग के पोर्टल पर कृषि यंत्रों की बुकिंग करने वाले किसानों को ई-लॉटरी के माध्यम से पारदर्शी तरीके से चयन किया जायेगा। उन्होंने कृषि विभाग के पोर्टल पर बुकिंग कर करने वाले समस्त किसानों को सूचित किया जाता है कि वे 18 जनवरी 2025 को कृषि भवन, रायबरेली में अपरान्ह 01:00 बजे ई-लॉटरी के समय उपस्थित रहें हैं।

तहसील सलोन में तालाबों को 10 वर्षीय मत्स्य पालन पट्टा नीलामी 30 व 31 जनवरी को

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। उप जिलाधिकारी सलोन मिथिलेश कुमार त्रिपाठी ने बताया है कि तहसील सलोन जनपद रायबरेली के अन्तर्गत पड़ने वाले राजस्व ग्रामों के तालाबों को 10 वर्षीय मत्स्य पालन प?ट्टा नीलामी किये जाने हेतु 30 जनवरी से 31 जनवरी 2025 तक मत्स्य पालन पट्टा नीलामी शिविर का आयोजन तहसील सलोन के सभागार में किया जायेगा। जिसमें इच्छुक पात्र व्यक्तियों के प्रातः 10 बजे से 01 बजे तक आवेदन पत्र लिये जायेंगे तथा 01 बजे के बाद नीलामी की कार्यवाही की जायेगी। तालाबों की नीलामी हेतु नायब तहसीलदार सलोन को नीलाम अधिकारी नियुक्त किया गया है। तालाबों की नीलामी के सम्बन्ध में उ0प्र0 राजस्व संहित 2006 के नियम 57 व 58 द्वारा की जायेगी जो तहसील मुख्यालय / राजस्व परिषद की वेबसाइट https://bor.uped.niced.in पर उपलब्ध है। सर्वोच्च बोली बोलने वाले समिति/व्यक्ति को नीलामी धनराशि एक वर्ष के लगान का 1/4 भाग तुरन्त जमा करना होगा। शेष 3/4 भाग नीलामी तिथि के 15 दिनों के अन्दर जमा करना अनिवार्य होगा। सभी बोलीदाता आय, निवास प्रमाण पत्र जो 06 माह से अधिक पुराना न हो बोली के समय प्रस्तुत करना होगा। मत्स्य पालन पट्टे की अवधि 10 वर्ष जिसका न तो आगे नवीनीकरण होगा न ही बढाया जायेगा। विस्तृत जानकारी कार्यालय तहसीलदार के राजस्व निरीक्षक (कार्यालय) से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि नीलामी को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार मेरे की जाएगी।

बच्चों को सघन टीवी अभियान के तहत किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन

कार्यक्रम (एनटीईपी)के तहत जनपद में 7 दिसम्बर से 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें आज जनपद के विभिन्न कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम किये गए, जिसमे महात्मा गाँधी इंटर कॉलेज रायबरेली में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा साल 2025 तक देश से क्षय रोग के उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरे प्रदेश में 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान शुरू किया है जिसका उद्देश्य है टीबी रोगियों का पता लगाकर उन्हें तत्काल उपचार पर लाना व टीबी से होने वाली मौतों को रोकना है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉक्टर अनुपम सिंह ने छात्र छात्राओं को टी0बी0 के बारे में बताया साथ ही डीपीसी अभय जी ने बच्चो को शपथ दिलवाई। इस कार्यक्रम में जिला पब्लिक प्राइवेट मिक्स समन्वयक मनीश श्रीवास्तव, एसटीएलएस दिलीप सिंह, प्रधानाचार्य दिनेश कुमार ,वरिष्ठ प्रवक्ता अतुल द्विवेदी, वरिष्ठ प्रवक्ता एवं जिला सचिव स्काउट गाइड तथा रेडक्रॉस प्रभारी शत्रुघ्न सिंह परिहार, उमाशंकर सिंह, धनंजय सिंह, देवेश कुमार सिंह ,आशुतोष मिश्र ,अशोक कुमार शुक्ला ,रविंद्र बहादुर श्रीवास्तव, मंगल चरण रावत, यादवेंद्र कुमार, राम बाबू, अशोक कुमार वर्मा, कौशल किशोर, देवी शंकर, प्रदीप कुमार त्रिपाठी, प्रदीप कुमार सिंह, शिवकुमार, सुभम, सचिन चंद्रा विजय कुमार विकास चंद्रा महेंद्र प्रताप सिंह आलोक कुमार शर्मा आशीष प्रताप सिंह हरीश कुमार सरोज देशराज आदि उपस्थित रहे।

एडीएम (प्रशासन) की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न हुई। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि जनसामान्य को सुरक्षित एवं मानक के अनुरूप खाद्य पदार्थो तथा गुणवत्तापरक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने के दृष्टिगत असुरक्षित एवं अधोमानक खाद्य पदार्थो तथा नकली व अधोमानक दवाओं की रोकथाम सम्बन्धी समस्त आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करायी जाये। निरीक्षण व छापे में वृद्धि की जाए, और ज्यादा से ज्यादा नमूने जांच हेतु संग्रहित किए जाए। निरीक्षण व छापे मारते समय विशेष सावधानी बरती जाए। प्रमुख पर्व व त्योहारों में नमूने संग्रहण करने हेतु विशेष अभियान चलाया जाए।अपर जिलाधिकारी ने कहा कि खाद्य पदार्थों एवं औषधियों में मिलावट और अधोमानकता के प्रति जनसामान्य में जागरूकता बढाये जाने के उद्देश्य से उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों की जानकारी दिये जाने हेतु महात्वपूर्ण सूचना एवं तथ्यों को प्रचारित एवं प्रसारित किया जाये, जिससे लोग जागरूक होकर उसका लाभ उठा सके। बैठक में जिला विकास अधिकारी अरूण कुमार, सहायक आयुक्त खाद्य चेतराम प्रजापति सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

अमर शहीद लालचन्द्र स्वर्णकार शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में श्रध्दांजली सभा का आयोजन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। रायबरेली,अमर शहीद लालचन्द्र स्वर्णकार के शहीद स्थल मन्हेरु में जिला प्रशासन, गांव सभा,अमर शहीद लालचन्द्र स्वर्णकार शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में श्रध्दांजली सभा का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि भारत सेवक समाज के अध्यक्ष शिव नारायण सोनी ने कहा कि अमर शहीद लालचन्द्र स्वर्णकार ने देश प्रेम व मित्र धर्म निभाने में स्वतंत्रता संग्राम पूरे परिवार का बलिदान दिया है, ऐसे महान देश भक्त को हम श्रध्दांजली देते हैं। अमर शहीद लालचन्द्र स्वर्णकार शोध संस्थान के अध्यक्ष सूर्य कुमार बाजपेई ने कहा कि बैसवारे की धरती के अमर शहीद लालचन्द्र स्वर्णकार ने अपने कुल परिवार शहित देश का गौरव बढ़ाया है, उन्हें कोटि-कोटि नमन है।शोध संस्थान के महामंत्री इंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि हमें गर्व है कि लालचन्द्र स्वर्णकार ने देश की आजादी में अपने प्राण न्यौछावर किया है। गांव प्रधान सुरेश कुमार यादव ने कहा कि हमारी गांव सभा बारह बिस्वा जमीन अमर शहीद लालचन्द्र स्वर्णकार के बलिदान स्थल को बनाने व सजाने के लिए प्रस्तावित करता है। सरकार मदद करेगी तो उसे मूर्त रूप दिया जाएगा। इस अवसर पर लालचन्द्र स्वर्णकार के प्रपौत्र हरिशंकर सोनी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में गांव पंचायत अधिकारी अनुराग पांडे का योगदान रहा। इस अवसर पर विषेष रूप से संजय सिंह, माता प्रसाद, करुणा शंकर, राम प्रताप यादव, विलियम यादव,राम आसरे,हिन्दू सिंह,सियासती निर्मल, राजरानी मौर्या, संतराम यादव, अमित कुमार मिश्र आदि उपस्थित रहे और सभी ने अमर शहीद को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का संचालन सुरेश यादव ने किया।

महिलाओं व बच्चों की शिक्षा से आयेगी खुशहाली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। वीरांगना नारी जन कल्याण समिति ने कुम्भ मेला व मकर संक्रांति के अवसर पर मनिका रोड़ स्थित एक उत्सव लांन में महिलाओं व बच्चों के उन्नयन के लिए समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष सुधा अवस्थी ने कहा कि गांवों के बच्चो व महिलाओं को शिक्षित करके देश में खुशहाली लायी जा सकती है। सभा में महिला कल्याण समिति की अध्यक्ष उमा सिंह ने कहा कि रायबरेली सदर में विधायका अदिति सिंह,डी एम हर्षिता माथुर, सांसद सोनिया गांधी, धावक सुधा सिंह ने अपना परचम लहराया है,हम सब मिलकर विकास में योगदान करेंगे।इस अवसर पर वीरांगना नारी जन कल्याण समिति की संस्थापक रीना मिश्रा ने कुंअर मयंक सिंह को गौ रक्षा सेवा के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में भाजपा ने सत्य प्रकाश पांडे, साधना मिश्रा,नीतू सिंह, शशि सोनी , गायत्री देवी, रचना दीक्षित, रानी, कुसुम अवस्थी आदि ने अपने विचार रखे और कुम्भ मेला में चल कर पुण्य लाभ प्राप्त करने का आवाहन किया। इस अवसर पर बच्चों व महिलाओं को तिलवा ,धुधिया, बांट कर मकर संक्रांति पर्व की बधाई दी गयी।

जिला पंचायत की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात, उ0प्र0 दिनेश प्रताप सिंह की उपस्थिति में व मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत रंजना चौधरी की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में जिला पंचायत की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में वर्ष 2024-25 का पुनरीक्षित बजट एवं वर्ष 2025-26 में रुपये 8798.86 लाख एवं वर्ष 2025-26 के मूल बजट रुपये 6022.00 लाख का अनुमोदन किया गया है एवं वर्ष 2025-26 में प्राप्त होने वाली विभिन्न अनुदानों की धनराशि से कराये जाने वाले कार्यों की सूची मा0 सदस्यों द्वारा सदन के समक्ष प्रस्तुत की गयी। जिसको सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में मा0 मंत्री जी ने सदन में उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सदस्यों द्वारा उनके क्षेत्र की बताई गई जनहित की समस्याओं का प्राथमिकता से समयबद्ध निराकरण करायें। मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा जिला पंचायत के समस्त सदस्यों को आम जनमानस को वितरित करने हेतु कंबल प्रदान किये गये।बैठक का संचालन जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद द्वारा किया गया। बैठक में सदन के मा0 सदस्यगण व संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

सोनभद्र, मिर्जापुर

सड़क दुर्घटना में कार सवार युवक की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के उँडीह गांव के समीप बीती रात अनियंत्रित कर बिजली के कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत उडीह के समीप बिजली पोल से जा टकराई जिसमें वह घायलों को आसपास के लोगों

खंबे से जा टकराई जिसमें 24 वर्षी एक युवक की हुई मौत वहीं दूसरा घायल। जानकारी के अनुसार सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बिहारी लसडों निवासी निरजेश देव पांडेय 24 वर्षीय पुत्र विनोद पांडेय गुरुवार सुबह अपने मित्रों के साथ कर से मुक्का फल घोरावल गए हुए थे वहां से लौटते हुए देर रात सदर द्वारा उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने निरजेश 24 वार्षिक मृत्यु घोषित कर दिया वहीं दूसरे व्यक्ति का दवा इलाज शुरू किया जानकारी पर मौके पहुंची पुलिस ने मामले की जानकारी लेते हुए परियों को सूचित करते हुए अग्रिम कार्रवाई में जुटी।

जापानी सोसाइटी एंडोस्कोपिक सर्जरी में राबट्र्सगंज के डॉ प्रशांत शुक्ला हुए शामिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।.मन में अगर हौसला और दिल में जुनून हो तो कामयाबी के हर रास्ते इंसानों के लिए खुले रहते है।जी हा!बात कर रहे है राबट्र्सगंज कस्बा स्थित एंडोस्कोपिक सर्जन डॉ प्रशांत शुक्ला की जो सोनभद्र जनपद अपने पिछड़े और आदिवासी बाहुल्य जनपद के नाम से देश में विख्यात है। पिछड़े जनपद जहा कम संसाधनों में दृढ़ संकल्प और अथक प्रयासों से एक ऐसा मुकाम हासिल किया जो भारत हो नहीं विदेशों में भी परचम लहरा दिया जो जापानी सोसाइटी एंडोस्कोपिक सर्जरी किए संयुक्त फेलोशिप में भाग लिए जिसमें एशिया से केवल तीन लोगों का चयन हुआ। इस फेलोशिप का मुख्य उद्देश्य जापान और एशिया में इंडोस्कोपिक सर्जरी कौशल विकास करना है। इस सफलता का श्रेय उन्होंने अपने दादा सोनभद्र न्यायालय के प्रथम अधिवक्ता प.रामधनी शुक्ला और पिता स्वर्गीय प्रेम प्रकाश शुक्ला को दिए। इतना ही नहीं डॉक्टर प्रशांत शुक्ला जो अपनी चिकित्सा सेवा कई जगहों पर दिए। उनकी इस लगन मेहनत ने साबित कर दिया कि कड़ी मेहनत और सही दिशा में प्रयास करने से कोई भी सपना साकार किया जा सकता है।एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त करने के बाद वह अपने सपनो को और ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए सेवा और उपचार से न केवल बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की बल्कि चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार के नए आयाम भी जोड़े। बातचीत में उन्होंने बताया कि मेरा सपना हमेशा से अपना परिवार अपना शहर और अपना देश में सेवा करना है चुकी सोनभद्र जिला पिछड़ा जिला के साथ आदिवासी बाहुल्य जनपद के रूप में जाना जाता है।

सीएम को पत्र दे कर नगर में सिटी अस्पताल शुरू करवाने की अपील

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। नगर, जिसकी जनसंख्या लगभग चार लाख है,

में आज तक एक भी सरकारी अस्पताल उपलब्ध नहीं है। इसके कारण यहां के नागरिकों को आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के लिए निजी अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता है। ये निजी अस्पताल न केवल अत्यधिक शुल्क वसूलते हैं, बल्कि कई बार अप्रशिक्षित स्टाफ और अपर्याप्त सुविधाओं के कारण मरीजों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मैं आपका ध्यान एक महत्वपूर्ण तथ्य की ओर दिलाना चाहता हूं कि पूर्व में जिस भवन में जिला अस्पताल संचालित होता था, उसे वर्तमान में दवा गोदाम (ड्रग वेयरहाउस) के रूप में उपयोग किया जा रहा है। जबकि ड्रग वेयरहाउस के लिए नई इमारत पहले ही बन चुकी है। इसके बावजूद उस भवन का उपयोग स्टोर के रूप में किया जा रहा है, जो जनहित में उचित नहीं है। यदि उक्त भवन में सिटी अस्पताल की स्थापना कर दी जाए, तो यह सोनभद्र नगर की बड़ी आबादी के लिए वरदान साबित होगा। इससे नागरिकों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होंगी, और वे निजी अस्पतालों के आर्थिक शोषण और अप्रशिक्षित स्टाफ की लापरवाही से बच सकेंगे। सोनभद्र नगर में पूर्व जिला अस्पताल भवन में सिटी अस्पताल की स्थापना के लिए आवश्यक कदम उठाने का कष्ट करें, जिससे आमजन को उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके।

डाक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण एवम् डी बी ए भवन का लोकार्पण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के अध्यक्ष श्याम बिहारी यादव एडवोकेट ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन प्रांगण में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति का अनावरण एवं डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के वादकारी भवन/डी बी ए भवन का लोकार्पण शुक्रवार दोपहर 1.00 बजे होगा ! जिसमें मुख्य अतिथि लाल बिहारी यादव एडवोकेट सदस्य विधान परिषद वाराणसी क्षेत्र एवम् नेता प्रतिपक्ष विधानसभा परिषद उत्तर प्रदेश होंगे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पांचू राम मौर्य एडवोकेट पूर्व अध्यक्ष बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश एवं हरिशंकर सिंह एडवोकेट पूर्व अध्यक्ष बर काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश की गरिमामयी उपस्थिति में मूर्ति अनावरण एवं वादकारी भवन का ष्ठ 7:02 ज्स्, 16/1/2025 ण्प्र्ंहूः पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के मार्गदर्शन में मा0 मुख्यमंत्री महोदय उ0प्र0 का जनपद सोनभद्र में कार्यक्रम को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कराया गया सकुशल सम्पन्न- मा0 मुख्यमंत्री महोदय उ0प्र0 के जनपद सोनभद्र आगमन पर श्री अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने सुरक्षा व्यवस्था में लगे समस्त पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को सतर्क रहकर चप्पे-चप्पे पर नजर रखने व सघन चेकिंग करने के निर्देश दिए थे तथा स्वयं भी कार्यक्रम स्थल, बैरिकेटिंग, हेलीपैड, फ्लीट रूट, सेफ हाउस, मंच, जनसभा स्थल को चेक कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लयिा तथा सुरक्षा व्यवस्था में लगे अधिकारी/कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के मार्गदर्शन व दिए गए दिशा-निर्देशों के फलस्वरूप पुलिस बल द्वारा सजगता व सतर्कता पूर्वक मुस्तैद रहकर चप्पे-चप्पे पर नजर बनाए रखते हुए माननीय मुख्यमंत्री महोदय के कार्यक्रम को सकुशल व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया ।पुलिस अधीक्षक सोनभद्र महोदय द्वारा माननीय मुख्यमंत्री महोदय के कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को क्रमशः प्रशंसा पत्र व गुड एंट्री प्रदान की गयी हैं।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के अध्यक्ष जगजीवन व महामंत्री प्रदीप कुमार निर्विरोध निर्वाचित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र चुनाव सत्र 2024 - 25 के लिए पूर्व निर्धारित

चुनावी कार्यक्रम में नामांकन वापसी के बाद सभी पदों पर एक- एक नामांकन पत्र आने की वजह से सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचित पदाधिकारियों की सूची निम्नलिखित है ।मुख्य चुनाव अधिकारी राजेश कुमार यादव एडवोकेट ने बताया कि अध्यक्ष पद पर जगजीवन सिंह एडवोकेट वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर पवन कुमार सिंह एडवोकेट महामंत्री पद पर प्रदीप कुमार मौर्य एडवोकेट 10 वर्ष से ऊपर उपाध्यक्ष पद पर चंद्र प्रकाश सिंह एडवोकेट व कामता प्रसाद एडवोकेट उपाध्यक्ष 10 वर्ष से नीचे के लिए नवीन कुमार पांडेय व मोहम्मद याकूब एडवोकेट कोषाध्यक्ष पद पर वीरेंद्र कुमार राव एडवोकेट सचिव पद पर प्रकाशन अविनाश यादव एडवोकेट सचिव पुस्तकालय दशरथ यादव एडवोकेट सचिव प्रशासन शाहनवाज आलम खान एडवोकेट वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य में नरेंद्र बहादुर सिंह एडवोकेट, विंध्यवासिनी प्रसाद सिंह एडवोकेट, अशोक कुमार मिश्रा एडवोकेट, शाहिद इरफान एडवोकेट, एवं महेंद्र कुमार आर्य एडवोकेट कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद पर राम गुल्ली यादव एडवोकेट रणजीत सिंह यादव एडवोकेट, आकृति निर्भया एडवोकेट, मुमताज अख्तर एडवोकेट व नसरीन बानो एडवोकेट निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए ।

थाना रॉबट्र्सगंज पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0- 913/2024 धारा 376, 323, 504, 506 भादवि से सम्बन्धित 01 नफर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के कुशल निर्देशन में जनपद में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी नगर श्री डॉ0 चारु द्विवेदी के कुशल निर्देशन में थाना रॉबट्र्सगंज पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 16.01.2025 को मु0अ0सं0- 913/2024 धारा 376, 323, 504, 506 भादवि से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त इरशाद खान पुत्र शहजादे खान निवासी अहमदनगर वार्ड नं0-14 थाना ओबरा जनपद सोनभद्र उम्र करीब 24 वर्ष को अहमदनगर वार्ड नं0-14 ओबरा के पास से समय करीब 04.35 बजे गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी। **गिरफ्तारशुदा अभियुक्त का विवरण** - इरशाद खान पुत्र शहजादे खान निवासी अहमदनगर वार्ड नं0-14 थाना ओबरा जनपद सोनभद्र उम्र करीब 24 वर्ष। **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम-** 1. निरीक्षक अपराध शेषनाथ पाल थाना रॉबट्र्सगंज जनपद सोनभद्र। 2. हे0का0 विनोद भारती थाना रॉबर्टसगंज जनपद सोनभद्र। 3. का0 विनय कुमार गुप्ता थाना रॉबट्र्सगंज जनपद सोनभद्र।

रोजगार मेलें में कुल 32 अभ्यर्थियों का चयन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।रोजगार मेलें में कुल 32 अभ्यर्थियों का चयन शुक्रवार को जिला सेवायोजन कार्यालय, परिसर, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला अस्पताल के सामने) लोढ़ी, राबट्र्सगंज, सोनभद्र में रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 100 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण लि0, सोनभद्र, एस0बी0आई0 कार्ड, वाराणसी, मीडलैण्ड माइक्रोफीन, सोनभद्र, डीसेट्स, फरीदाबाद, एल0आई0सी0, रावट्र्सगंज, डिजिटल भारत, रावट्र्सगंज एवं स्वतंत्र माइक्रोफीन प्रा0 लि0, वाराणसी इत्यादि ने प्रतिभाग किया। इस मेलें में विभिन्न पदों पर कम्पनियों द्वारा कुल 32 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस अवसर पर सेवायोजन अधिकारी प्रमोद कुमार तिवारी, मेला प्रभारी जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, जमील अहमद, प्रदीप कुमार सिंह, पवन कुमार सोनकर, यंग प्रोफेशनल सुरेन्द्र कुमार प्रजापति, मनोज कुमार एवं अंशोक कुमार आदि उपस्थित रहें।

श्रद्धांजलि सभा का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। आइडियल होम्योपैथिक वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ कुसुमाकर श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जयप्रभा होम्यो सदन में स्वर्गीय प्रोफेसर डॉक्टर दयाशंकर प्रसाद सिंह एवं डॉक्टर पार्थ सारथी शर्मा के माता की आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित चिकित्सक डॉ आनंद नारायण सिंह, डॉ संजय सिंह, डॉ चंद्रभूषण पांडेय, डॉ सरोज सिंह, डॉ रवि शंकर मिश्रा, डॉ प्रकाश श्रीवास्तव, डॉ अभिषेक पांडेय सहित अन्य चिकित्सको ने दिवंगतआत्मा की शांति के लिए श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

निजीकरण के खिलाफ जुनियर इंजिनियर संगठन ने किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। दूसरे दिन भी शुक्रवार को राज्य विद्युत परिषद जुनियर इंजिनियर संगठन उ0प्र0 जनपद कि पूर्व में वर्ष 2018 व 2020 में उ0प्र0 सरकार शासन, ऊर्जा प्रबन्धन एवं संगठनों के बीच स्पष्ट सैद्धान्तिक समझौता / सहमतियां आकृष्ट कराने के लिए संगठन के समस्त सदस्य दिनांक 16.01.2025 से दिनांक 18.01. 2025 तक अपने कार्य स्थल पर काला फीता बांध कर

शाखा सोनभद्र में अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल, सोनभद्र के कार्यालय पर संगठन के बैनर तले जनपद के समस्त अवर अभियन्तओं व प्रोन्नत सहायक अभियन्ताओं द्वारा एक जूट होकर प्रबन्ध द्वारा चलाये जा रहे पी0पी0पी0 माडल का परीक्षण तथा निजीकरण के प्रस्ताव हेतु कन्सलटेन्ट / ट्राजेक्शन एडवाईजर के नियुक्ति की निविदा निकाले जाने का विरोध किया गया। ज्ञात हो हुई थी कि ऊर्जा क्षेत्र में किसी प्रकार का कोई भी निजीकरण नही किया जायेगा। परन्तु पूर्वान्चल एवं दक्षिणांचल डिस्काम का निजीकरण का प्रस्ताव एवं कन्सलटेन्ट नियुक्ति पूर्णतया असंवैधानिक एवं सहमतियों का खुला उल्लंघन है। निजीकरण गरीब विद्युत उपभोक्ताओं, किसानों, आम जनमानस एवं कर्मचारीहित में नही है। उक्त निविदा का निरस्त करने तथा निजीकरण का प्रस्ताव वापस किये जाने हेतु ऊर्जा प्रबन्ध का ध्यान विभागीय कार्य सम्पादित करेगें एवं सायं 05:00 बजे के बाद एक घण्टा जनपद मुख्यालय पर विरोध सभा करेगें। आज के विरोध सभा में जनपद अध्यक्ष ई0 राजेन्द्र प्रसाद, जनपद सचिव ई0 महेश कुमार, ई0 सतिश यादव, ई0 अरविन्द कुमार, ई0 बाबुनन्दन, ई0 अनिल कुमार, ई0 कन्हैया तिवारी, ई0 संदीप सिंह, श्री संजय सिंह, ई0 राजेन्द्र बिन्द, ई0 अनिल कुमार सिंह, आदि उपस्थित रहें।

शहर कोतवाली के पास हत्या करने वाले टॉप टेन में शामिल बदमाश को आजीवन कारावास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। छह वर्ष पहले शहर कोतवाली के पास ताबड़तोड़ फायरिंग कर हत्या करने के मामले में टॉपटेन

बदमाश बच्चा सिंह को उम्र कैद की सजा सुनाई गई। फायरिंग में एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश संतोष कुमार गौतम ने सजा एक लाख दो हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। दोषी बच्चा सिंह जिले के टाप टेन अपराधियों में शामिल है। दूसरे आरोपी संजय सिंह की दो वर्ष पहले जेल में मौत हो चुकी है। जनवरी 2019 में शहर कोतवाली के पास दो भाई संजय सिंह और बच्चा सिंह ने ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। कोतवाली के पास फायरिंग से अफरा-तफरी मच गई थी। शहर कोतवाली क्षेत्र के धुनियानी टोला निवासी सौरभ कुमार ने तहरीर देकर बताया कि उसका बड़ा भाई सुनील पान की दुकान में बैठा था। सड़क के किनारे लोंहदी कला निवासी त्रिलोकी फूल माला की टोकरी लगाकर बैठा था। स दौरान छोटी गुदरी निवासी संजय सिंह व उसका भाई बच्चा सिंह हाथ में असलहा लिए पहुंचे। त्रिलोकी से मुकदमे के विवाद के कारण सुनील व त्रिलोकी को जान से मारने की नियत से गोली मार दी। जिसमें त्रिलोकी की मौत हो गई। सुनील को गोली लगने से हालत गंभीर थी। मामले में पुलिस ने हत्या और हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया। एक आरोपी को पुलिस ने उसी समय पकड़ लिया था। दोनों जेल में थे। पुलिस ने मामले की विवेचना कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। जेल में बंद संजय सिंह की दो वर्ष पहले मौत हो गई। अभियोजन अधिकारी ने साक्ष्य न्यायालय में प्रेषित कर आरोपी को कड़ी सजा दिए जाने की मांग की। गवाहों के बयान, अधिवक्ताओं की दलील और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश संतोष कुमार गौतम ने बच्चा सिंह को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

बुंदेलखंडी वार्ड के सभासद की समाप्त हो सदस्यता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। नगर पालिका के सभासदों ने जिला मुख्यालय पर शुक्रवार को प्रदर्शन कर बुंदेलखंडी वार्ड के सभासद सतीश केसरवानी की सदस्यता समाप्त करने की मांग की। इस संबंध में डीएम को पत्रक सौंपा। सभासदों ने कहा कि बुंदेलखंडी के सभासद के बेटे और बेटी नगर पालिकाध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी पर फर्जी आरोप लगा रहे हैं। सभासद के बेटे आर बेटी फर्जी आईजीआरएस और मुकदमा करा रहे हैं। साथ ही शासन व प्रशासन को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। कहा कि जुलाई 2024 में जब बोर्ड की बैठक हुई तो सभासद की बेटी ने अध्यक्ष के बगल में बैठ कर बोर्ड की बैठक में हिस्सा लेने का प्रयास किया। जो नियमविरुद्ध है। इसका जब अधिशासी अधिकारी व सभासदों ने विरोध किया तो उन्होंने कहा कि उन्हें निकाला जा रहा है। वह इसका बदला लेंगी। इस बैठक में सभासद सतीश केसरवानी स्वयं भी मौजूद थे। इसके बाद भी कई मामले हुए। सभासदों ने मांग की कि इसलिए सभासद की सदस्यता समाप्त कर उनके पुत्र व पुत्री पर विधि के अनुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर चेतगंज की सभासद प्रीति यादव, संकटमोचन वार्ड की आरती मोदनवाल, सबरी के रामसिंह यादव बसही वार्ड की सभासद पुष्पा यादव व अन्य लोग थे।

मां ने खेलने से मना कर पढ़ाई के लिए कहा तो आठवीं के छात्र ने लगा लिया फंदा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। लालगंज के नई बाजार दुबार खुर्द गांव में बृहस्पतिवार की शाम को मां ने खेल रहे बेटे को पढ़ाई करने के लिए डांटी तो वह कमरे में जाकर पंखे पर साड़ी का फंदा बनाकर लटक गया। देर शाम कमरा बंद रहने पर परिजन दरवाजा खोलने पहुंचे तो दरवाजा बंद मिला। आवाज देने पर कोई जवाब न आने पर दरवाजा तोड़कर उसे फंदे से उतारकर सीएचसी ले गए। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। क्षेत्र निवासी रमेश बिंद का 14 वर्षीय पुत्र रोहित कुमार दो भाईयों में बड़ा है। वह दुबार के एक स्कूल में आठवीं का छात्र है। पिता बाहर रहकर नौकरी करते हैं। घर पर मां के साथ बेटा रहता था। बड़े पिता समय बहादुर बिंद ने बताया कि रोहित बृहस्पतिवार शाम को पांच बजे घर के पास खेल रहा था। मां ऊषा ने उसे डांट दिया। उसे पढ़ाई के लिए कहा। इससे नाराज होकर उसने कमरे में जाकर पंखे के सहारे साड़ी का फंदा बनाकर लटक गया।

फार्मर रजिस्ट्री में सुस्ती पर एसडीएम ने जताई नाराजगी, तेजी लाने का निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लालगंज। उपजिलाधिकारी आसाराम वर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को तहसील स्तर पर फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में पता चला कि अब तक केवल 25 प्रतिशत प्रगति हो सकी है। धीमी रफ्तार पर एसडीएम ने नाराजगी जताते हुए सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिया। एसडीएम ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री सभी सरकारी योजनाओं का आधार है। किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए इसे समय पर पूरा करना बेहद जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी। तहसीलदार तरुण प्रताप सिंह ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में तेजी लाने के लिए लेखपाल, कृषि विभाग और सहज जन सेवा केंद्रों के कर्मचारियों को लगाया गया है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी पात्र किसानों की रजिस्ट्री जल्द से जल्द पूरी हो। एसडीएम ने यह भी कहा कि फार्मर रजिस्ट्री बनने के बाद ही किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। इसीलिए किसानों के लिए यह अनिवार्य है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने और तय समयसीमा में कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में नायब तहसीलदार लालगंज राहुल मिश्रा हलिया नायब तहसीलदार राजीव यादव, सहायक कृषि अधिकारी संजय पटेल, ग्राम प्रधान रईस अहमद आदि मौजूद रहे।

स्पोर्ट्स

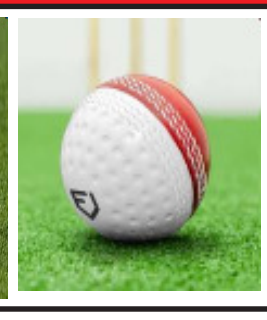
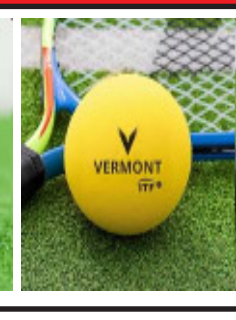

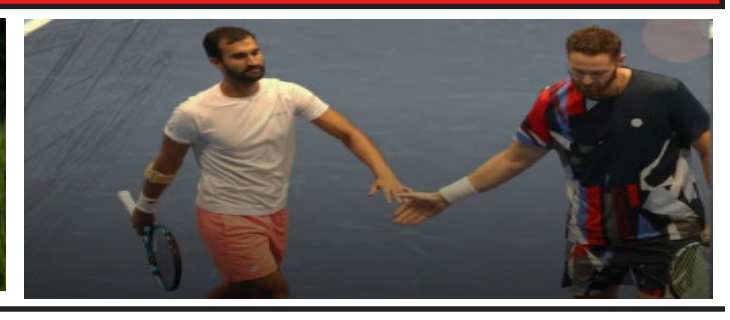

अश्विन के संन्यास पर फिर छलका कपिल देव का दर्द, बोले- मैं उसके फैसले से दुखी हूं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अश्विन को सिर्फ एक मुकाबले में खेलने का मौका मिला था। एडिलेड टेस्ट में उन्होंने 18 ओवर गेंदबाजी की थी और एक विकेट हासिल किया था। उन्होंने ब्रिस्बेन में खेले गए तीसरे मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला लिया। क्रिकेटरों में ऐसा चरित्र देखना अच्छा लगता है। जब वह ऑस्ट्रेलिया दौरे के बीच में ही चले गए तो मुझे थोड़ा दुख हुआ। वह एक महान क्रिकेटर थे। उन्होंने भारत के लिए खेलते हुए खेल को इतना अच्छा बनाया और सेवा दीं लेकिन उन्हें इंतजार करना चाहिए था और इसे अलग तरीके से करना चाहिए था। फिर भी, उन्होंने देश के लिए जो किया वह अविश्वसनीय है। यह पहला मौका नहीं है जब कपिल देव ने अश्विन के फैसले पर निराशा जताई है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि अश्विन किसी चीज को लेकर नाखुश थे। उन्होंने कहा- मैं इस बात से हैरान थ कि भारत के महानतम क्रिकेटरों में से एक ने खेल छोड़ने का फैसला कैसे किया। प्रशंसक निराश हैं लेकिन मैंने उसके चेहरे पर भी निराशा के भाव देखे।

की थी और एक विकेट हासिल किया था। उन्होंने ब्रिस्बेन में खेले गए तीसरे मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला लिया। भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद यह फैसला लिया था। उनके इस निर्णय ने सभी को हैरान कर दिया था। अब पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने अश्विन के संन्यास पर बात की है। उन्होंने कहा कि वह स्टार स्पिनर के फैसले से दुखी हैं।ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अश्विन को सिर्फ एक मुकाबले में खेलने का मौका मिला था। एडिलेड टेस्ट में उन्होंने 18 ओवर गेंदबाजी की थी और एक विकेट हासिल किया था। उन्होंने ब्रिस्बेन में खेले गए तीसरे मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला लिया। भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद यह फैसला लिया था। उनके इस निर्णय ने सभी को हैरान कर दिया था। अब पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने अश्विन के संन्यास पर बात की है। उन्होंने कहा कि वह स्टार स्पिनर के फैसले से दुखी हैं।ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अश्विन को सिर्फ एक मुकाबले में खेलने का मौका मिला था। एडिलेड टेस्ट में उन्होंने 18 कपिल देव ने गल्फ न्यूज से बात करते हुए कहा- अश्विन बहुत ही दृढ़निश्चयी व्यक्ति हैं। क्रिकेटरों में ऐसा चरित्र देखना अच्छा लगता है। जब वह ऑस्ट्रेलिया दौरे के बीच में ही चले गए तो मुझे थोड़ा दुख हुआ। वह एक महान क्रिकेटर थे। उन्होंने भारत के लिए खेलते हुए खेल को इतना अच्छा बनाया और सेवा दीं लेकिन उन्हें इंतजार करना चाहिए था और इसे अलग तरीके से करना चाहिए था। फिर भी, उन्होंने देश के लिए जो किया वह अविश्वसनीय है। यह पहला मौका नहीं है जब कपिल देव ने अश्विन के फैसले पर निराशा जताई है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि अश्विन किसी चीज को लेकर नाखुश थे। उन्होंने कहा- मैं इस वह निराश दिख रहा था और यह दुखद है। वह इससे बेहतर विदाई का हकदार था। अश्विन ने टेस्ट में भारत के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज के तौर पर अपना करियर समाप्त किया। 106 टेस्ट मैचों में अश्विन ने 537 विकेट झटके और वह बस पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले से पीछे थे जिन्होंने अपने टेस्ट करियर में 619 विकेट लिए हैं। 38 वर्षीय इस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिर्फ एक मैच खेला था। अश्विन को पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग-11 में मौका नहीं दिया गया था, जबकि वह एडिलेड में खेले गए पिंक बॉल टेस्ट के लिए टीम में शामिल थे जो उनके करियर का अंतिम मैच रहा। तीसरे टेस्ट में अश्विन की जगह रवींद्र जडेजा को मौका दिया गया था।

बतौर कप्तान छह में से पांच टी20 सीरीज जीती', इस क्रिकेटर का हार्दिक को लेकर बीसीसीआई पर निशाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए तो बीसीसीआई ने हार्दिक के टीम में होने के बावजूद अक्षर पटेल को सूर्यकुमार का डिप्टी यानी टी20 टीम का उपकप्तान बनाया है। टी20 विश्व कप 2024 के बाद जब रोहित शर्मा और विराट कोहली ने इस प्रारूप में बीसीसीआई ने हार्दिक के टीम में होने के बावजूद अक्षर पटेल को सूर्यकुमार का डिप्टी यानी टी20 टीम का उपकप्तान बनाया है। मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी बात सामने आई है कि यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत को भविष्य के कप्तानों के रूप में तैयार किए जाने की संभावना है, लेकिन हार्दिक को कप्तानी के बहस से में टीम इंडिया को छह टी20 सीरीज में से पांच जिताए। जब रोहित उपलब्ध नहीं होते थे तब हार्दिक कप्तान हुआ करते थे।हार्दिक को भारत की सीमित ओवरों की टीमों के उप-कप्तान के रूप में भी नहीं देखा जा रहा है। बोर्ड अब सक्रिय रूप से नए उम्मीदवारों को विकसित करने पर काम कर रहा है। हार्दिक आईपीएल में फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस की अगुआई करते दिखेंगे। इस टीम में भारत के मौजूदा टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह भी शामिल हैं आकाश ने कहा, 'अचानक क्या हो गया? वह उप कप्तान भी नहीं हैं। उनके बारे में कोई बात नहीं की जा रही है। मुंबई इंडियंस के लिए पिछला सीजन खराब गया था, लेकिन आप इसके लिए हार्दिक को दोषी नहीं ठहरा सकते। भले ही प्रदर्शन और उनकी कप्तानी खराब थी, लेकिन इसका भारतीय क्रिकेट से कोई लेना-देना नहीं है। भारतीय टीम की कप्तानी फ्रेंचाइजी कप्तानी के आधार पर तय नहीं होती है। अगर ऐसा होता तो मामला कुछ और होता। ऐसे कई कप्तान रहे हैं जिन्होंने आईपीएल में फ्रेंचाइजी के कुछ नहीं करने के बावजूद भारत का नेतृत्व कियाआकाश ने कहा, 'हार्दिक के साथ जो हो रहा है वह मेरी समझ से परे है। इस बारे में कुछ स्पष्टता होनी चाहिए कि क्या उन्हें आगे कप्तानी उम्मीदवार माना जा सकता है। ऐसा लग रहा है कि हम तीनों प्रारूपों में अलग-अलग कप्तानों की ओर बढ़ रहे हैं। हार्दिक उप कप्तान भी नहीं है और यह थोड़ा हैरानी भरा है।' हार्दिक अब इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलते दिखेंगे।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया तो हार्दिक पांड्या का कप्तान बनना तय माना जा रहा था। हालांकि, गौतम गंभीर के कोच बनते ही सबकुछ बदल गया। साल 2023 में रोहित की गैरहाजिरी में हार्दिक पांड्या ने ही टीम इंडिया की कमान संभाली थी। टी20 विश्व कप में वह उपकप्तान रहे थे। हालांकि, गंभीर के कार्यकाल में न सिर्फ हार्दिक को कप्तानी से हटाया गया, बल्कि उपकप्तान का दर्जा भी छीन लिया गया। इसको लेकर काफी बवाल भी हुआ था। अब एक बार फिर भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने इस मुद्दे को लेकर बीसीसीआई और चयनकर्ताओं पर निशाना साधा है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए तो दूर कर दिया गया है। सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारतीय टीम को कुछ शानदार जीत दिलाने के बावजूद लीडरशिप ग्रुप से हार्दिक की अनुपस्थिति कई लोगों को चकित करती है। इस ऑलराउंडर के साथ जो कुछ भी हुआ उसने भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा को हैरान कर दिया है।आकाश ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'हार्दिक पंड्या के साथ क्या हुआ? कोई भी उनके बारे में सोच नहीं रहा या बात नहीं कर रहा है। उसके साथ वास्तव में क्या हुआ है? वह निश्चित तौर पर चैंपियंस ट्रॉफी की टीम में होंगे। वह टीम में संतुलन लाते हैं। टी20 विश्व कप में उनका प्रदर्शन शानदार रहा। वह मुंबई इंडियंस के कप्तान हैं। उन्होंने अपनी कप्तानी

पाकिस्तान या यूएई कहां होगा चैंपियंस ट्रॉफी का उद्घाटन समारोह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान नहीं जा रही भारतीय टीम अपने मैच दुबई में खेलेगी। भारत को 20 फरवरी को बांग्लादेश से पहला मैच खेलना है जबकि 23 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला खेला जाएगा। टूर्नामेंट से पहले प्रेस कांफ्रेंस के कार्यक्रम के लिए आईसीसी से सूचना का इंतजार है। हालांकि, अब तक उद्घाटन समारोह के वेन्यू को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान नहीं जा रही भारतीय टीम अपने मैच

अगले महीने हाइब्रिड मॉडल में होने जा रही चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। इस टूर्नामेंट में कुल आठ टीमें भाग लेंगी। भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है। दोनों देशों ने अब तक आगामी टूर्नामेंट के लिए टीम का एलान नहीं किया है जबकि छह टीमों की घोषणा हो चुकी है। इस बीच चैंपियंस ट्रॉफी के उद्घाटन समारोह को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, 19 फरवरी से शुरू होने जा रही चैंपियंस ट्रॉफी का उद्घाटन समारोह 16 या 17 फरवरी को होगा। वहीं, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को उम्मीद है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। पीसीबी से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि उसे कप्तानों के फोटो शूट और दुबई में खेलेगी। भारत को 20 फरवरी को बांग्लादेश से पहला मैच खेलना है जबकि 23 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला खेला जाएगा। सभी टीमों को ग्रुप ए और ग्रुप बी में बांटा गया है। इसके अलावा सूत्र ने कहा कि पीसीबी को सभी कप्तानों, खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के वीजा के लिए सरकार से मंजूरी मिल गई है। उन्होंने कहा, इसमें रोहित या अन्य कोई भी भारतीय खिलाड़ी या अधिकारी शामिल है। एक अन्य सूत्र ने कहा कि पीसीबी ने आईसीसी से साफ तौर पर कहा है कि उद्घाटन समारोह पाकिस्तान में होगा। सूत्र ने कहा, यह आम प्रोटोकॉल है कि पहला मैच 19 फरवरी को है तो उद्घाटन समारोह 16 या 17 को होगा।

रणजी ट्रॉफी के लिए मुंबई की टीम से जुड़े यशस्वी जायसवाल, कप्तान अजिंक्य रहाणे के साथ किया अभ्यास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 23 वर्षीय बल्लेबाज ने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने पांच मैचों की 10 पारियों में 391 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 43.44 का रहा। यशस्वी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में भारत के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने एक शतकीय और दो अर्धशतकीय पारियां खेलीं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम के कई खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट में वापसी का फैसला किया है। इनमें विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और शुभमन गिल का नाम शामिल है। अब इस लिस्ट में एक नाम यशस्वी जायसवाल का भी जुड़ गया है। उन्होंने मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) को 23 जनवरी से जम्मू-कश्मीर के खिलाफ टीम के अगले रणजी ट्रॉफी मुकाबले में अपनी उपलब्धता की जानकारी दे दी है।ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 23 वर्षीय बल्लेबाज ने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने पांच मैचों की 10 पारियों में 391 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 43.44 का रहा। यशस्वी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में उन्होंने एमसीए को दे दी है। बाएं हाथ के बल्लेबाज जायसवाल ने सुबह बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में ओपन नेट सत्र में बल्लेबाजी का जुड़े थे। उन्होंने पहले दिन दो अभ्यास सत्र में भाग लिया लेकिन दूसरे दिन वह नजर नहीं आए। उन्होंने मंगलवार को मुंबई के कप्तान अजिंक्य रहाणे के साथ बल्लेबाजी का अभ्यास किया था। उम्मीद है कि वह एक या दो दिन में फिर से अभ्यास सत्र में भाग लेंगे। रोहित ऑस्ट्रेलिया के दौर में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। उन्होंने तीन टेस्ट मैच की पांच पारियों में केवल 31 रन बनाए जिससे टीम में उनके स्थान को लेकर सवाल उठने लगे थे। वह आखिरी बार रणजी ट्रॉफी में 2015 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेलते नजर आए थे। रोहित ने हालांकि इसकी पुष्टि नहीं की है कि वह जम्मू-कश्मीर के खिलाफ चयन के लिए उपलब्ध होंगे या नहीं। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, चयनकर्ता 20 जनवरी को टीम की घोषणा कर सकते हैं। इस दौरान प्रत्येक खिलाड़ी की उपलब्धता का पता करने के लिए उचित प्रक्रिया अपनाई जाएगी। चयन के लिए रोहित से भी संपर्क किया जाएगा।

भारत के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने एक शतकीय और दो अर्धशतकीय पारियां खेलीं। अब वह घरेलू क्रिकेट में वापसी करेंगे। इसकी जानकारी अभ्यास किया। उनके अलावा अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे ने भी बल्लेबाजी का अभ्यास किया। यशस्वी से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा भी मुंबई की टीम से

जोश में खो बैठे होश संन्यास के कुछ घंटों बाद ही इस पाकिस्तानी गेंदबाज ने पलटा फैसला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इहसानुल्लाह ने अपने फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि संन्यास का फैसला जल्दबाजी में लिया गया था। वह पाकिस्तान सुपर लीग के ड्रॉफ्ट में नजरअंदाज किए जाने से नाराज थे। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज इहसानुल्लाह ने मंगलवार को पाकिस्तान सुपर लीग से संन्यास ने बताया कि उन्हें गुस्से में आकर यह निर्णय लिया था। इहसानुल्लाह ने पाकिस्तान सुपर लीग के ड्रॉफ्ट से बाहर होने के बाद आधिकारिक तौर पर इस लीग से संन्यास का एलान किया था। पब्लिक न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा- संन्यास लेने का कोई एलान नहीं है। मैंने भावनाओं में बहकर कल ये घोषणा की थी। जब मैं पीएसएल ड्रॉफ्ट में नहीं चुना गया था, तो मेरे दोस्त और परिवार ने मेरा दिमाग खराब कर दिया था और मैंने इसी वजह से संन्यास की घोषणा कर दी थी।इहसानुल्लाह ने पाकिस्तान सुपर लीग के आठवें संस्करण में 7.59 के इकोनॉमी रेट से 22 विकेट लेकर प्रभावित किया था। इसके बाद उन्हें पाकिस्तान के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय में डेब्यू का मौका मिला। युवा गेंदबाज ने पाकिस्तान के लिए एक वनडे और चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। पीएसएल में मुल्तान सुल्तान के लिए खेले 14 मैचों में उनके नाम 23 विकेट दर्ज हैं।

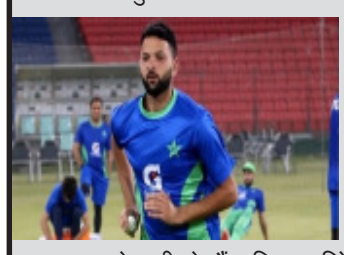

का एलान करके सभी को चौंका दिया था। हालांकि, कुछ ही घंटों बाद उन्होंने यू-टर्न ले लिया और संन्यास लेने का फैसला पलट दिया। उन्होंने अपने फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि संन्यास का फैसला जल्दबाजी में लिया गया था। वह पाकिस्तान सुपर लीग के ड्रॉफ्ट में नजरअंदाज किए जाने से नाराज थे।22 वर्षीय गेंदबाज

रंग लाई देवदत्त पडिक्कल की मेहनत कर्नाटक को दिलाई 5 विकेट से जीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पहले बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा ने 50 ओवर में नौ विकेट पर 237 रन बनाए। जवाब में कर्नाटक ने 47.2 ओवर में पांच विकेट पर 238 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस मैच में कर्नाटक के लिए देवदत्त पडिक्कल ने दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 86 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।हरियाणा के 238 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कर्नाटक की शुरूआत अच्छी नहीं रही जिसमें कप्तान और उसके सबसे ज्यादा रन बनाने वाले मयंक अग्रवाल पहले ही ओवर में आउट हो गये। लेकिन देवदत्त (86 रन, आठ चौके, एक छक्का) और स्मरण (76 रन, तीन चौके, तीन छक्के) ने तीसरे विकेट के लिए 128 रन की साझेदारी की जिससे कर्नाटक ने यह लक्ष्य 47.2 ओवर में पांच विकेट पर 238 रन बनाकर हासिल कर लिया। अब चार बार की चैंपियन कर्नाटक का सामना खिताब के लिए विदर्भ और महाराष्ट्र के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। अग्रवाल के आउट होने के बाद केवी अनीश (22 रन) ने पहला रन बनाने के लिए 14 गेंद का सामना किया और धीमी पिच पर सहज नहीं लगे।

मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस मैच में कर्नाटक के लिए देवदत्त पडिक्कल ने दमदार प्रदर्शन किया। विजय हजारे ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में कर्नाटक ने हरियाणा को पांच विकेट से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। बुधवार को वडोदरा में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा ने 50 ओवर में नौ विकेट पर 237 रन बनाए। जवाब में कर्नाटक ने 47.2 ओवर में पांच विकेट पर 238 रन बनाए और

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे है	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पीसी ने तय की टिकट की कीमत, मात्र 310 रुपये में देख पाएंगे मैच

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने बताया कि पीसीबी ने उसके देश में होने वाले मैचों के लिए टिकट की कीमत तय कर दी है। इनकी न्यूनतम कीमत 1000 पाकिस्तानी रुपये रखी गई है। हालांकि, यह नहीं बताया गया है कि दुबई में होने वाले भारत के मैचों की टिकट दर क्या होगी। पाकिस्तान की माली हालत किसी से छिपी नहीं है। इसकी एक झलक चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तय की गई टिकट की कीमतों में देखने को मिली है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आगामी टूर्नामेंट के लिए टिकट की कीमत 1000 पाकिस्तानी रुपये रखी है। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय मुद्रा के हिसाब से टिकट की कीमत सिर्फ 310 रुपये बनती है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने बताया कि पीसीबी ने उसके देश में होने वाले मैचों के लिए टिकट की कीमत तय कर दी है। इनकी न्यूनतम कीमत 1000 पाकिस्तानी रुपये रखी गई है। हालांकि, यह नहीं बताया गया है कि दुबई में होने वाले भारत के मैचों की टिकट दर क्या होगी। पीटीआई ने दावा किया कि उसके

हाथ एक ऐसा दस्तावेज लगा है जिसमें आगामी टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान में खेले जाने वाले मुकाबलों की टिकट दर तय की गई है। दस्तावेज के अनुसार पीसीबी ने कराची, लाहौर और रावलपिंडी में होने वाले मैचों के न्यूनतम टिकट 1000 पाकिस्तानी रूपये के रखे हैं। पाकिस्तान और बांग्लादेश के रावलपिंडी में होने वाले मैचों के टिकटों की कीमत 2000 पाकिस्तानी रूपये (620 भारतीय रूपये) और सेमीफाइनल के 2500 पाकिस्तानी रूपये (776 भारतीय रूपये) होगी। पीसीबी ने सभी मैचों की वीवीआईपी टिकट 12000 पाकिस्तानी रूपये (3726 भारतीय रूपये) की रखी है लेकिन सेमीफाइनल में यह 25000 (7764 भारतीय रूपये) की होगी। कराची में प्रीमियर दीर्घा की टिकट 3500 पाकिस्तानी रूपये (1086 भारतीय रूपये), लाहौर में 5000 (1550 भारतीय रूपये) और रावलपिंडी में पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश मैच का टिकट 7000 (2170 भारतीय रूपये) है। पीसीबी कराची में वीआईपी दीर्घा की टिकट 7000, लाहौर में 7500 और बांग्लादेश मैच के लिए 12500 रखना चाहता है। आम दर्शकों के लिये 18000 टिकट उपलब्ध होंगे लेकिन यह तय नहीं है कि एक व्यक्ति एक समय में कितने टिकट खरीद सकता है और टिकट ऑनलाइन मिलेंगे या नहीं।आईसीसी के टूर्नामेंट नियमों के तहत मेजबान देश मैचों के टिकट बेचता है और उनसे तथा हास्पिटेलिटी बॉक्सेस से मिलने वाला राजस्व रखता है। इसके अलावा उसे आईसीसी से मेजबानी की फीस भी मिलती है। भारत के मैच दुबई में होने हैं लिहाजा पीसीबी का मानना है कि उसे टिकटों और हॉस्पिटेलिटी बॉक्स से मिलने वाली रकम मिलेगी। अमीरात क्रिकेट बोर्ड को परिचालन लागत दी जायेगी जिसमें मैदान का किराया शामिल है।

सम्पादकीय

भरोसा बढ़ाने वाले फैसलों की प्रतीक्षा, बजट से जनता को कई उम्मीदें

मोदी सरकार इच्छाशक्ति तो दिखा रही है लेकिन यह कहना कठिन है कि वह विभिन्न क्षेत्रों में सुधारों को समय रहते आगे बढ़ा सकेगी। अच्छा हो कि मोदी सरकार अगले माह जो बजट पेश करने जा रही है उसके जरिये न केवल यह दिखाए कि बहुमत से दूर रहने के बाद भी वह एक सक्षम सरकार है और अपने एजेंडे को लागू करने के लिए अडिग है। पिछले लोकसभा चुनाव में जब नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को अपने बलबूते बहुमत नहीं मिला तो इसके कयास लगाए जाने लगे कि गठबंधन सरकार उस वेग और लचीलेपन के साथ कार्य नहीं कर पाएगी, जैसा पिछले दो कार्यकालों में दिखा था। गठबंधन सरकार की अपनी मजबूरियां होती हैं। तीसरी पारी में मोदी सरकार को अपना एजेंडा इसे ध्यान में रखकर बढ़ाना है कि वह नीतीश कुमार की जदयू और चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी के समर्थन पर निर्भर है। मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के लगभग सात माह पूरे कर चुकी है। इस दौरान ऐसा लगा कि वह कांग्रेस और अन्?य विपक्षी दलों द्वारा तय किए जा रहे नैरेटिव और उनके विरोध के कारण उस गति से आगे नहीं बढ़ पा रही है, जिसकी अपेक्षा की थी। यह साफ दिख रहा है कि उसे वक्फ अधिनियम, एक देश-एक चुनाव पर विपक्ष के दबाव का सामना करना पड़ रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल का अपना जो पहला बजट पेश किया, उसमें ऐसे क्रांतिकारी कदम नहीं दिखे, जो देश की मूलभूत समस्?याओं का निराकरण कर पाते।यदि संसद के पिछले सत्रों को देखा जाए तो मोदी सरकार महत्वपूर्ण समझा जाने वाला एक मात्र बिल- भारतीय वायुयान विधेयक ही पारित करा सकी है। पिछली सरकारों की तरह मोदी सरकार भी रह-रहकर होने वाले विधानसभा चुनावों का सामना करती है। बार-बार चुनावों के चलते सत्तापक्ष को विपक्ष को जवाब देने के लिए उस जैसे ही तौर-तरीके अपनाने पड़ते हैं। कई बार तो उसे न चाहते हुए भी वह सब करना पड़ता है, जो आर्थिक दृष्टि से सही नहीं होता। भाजपा को वैसी जन कल्याणकारी योजनाएं घोषित करनी पड़ी हैं, जैसी विपक्षी दलों ने वोट हासिल करने के लिए घोषित कीं। महिलाओं को मासिक भुगतान देने का जो चलन शुरू हुआ है, उससे अब कोई भी दल अछूता नहीं है। महिलाओं को आकर्षित करने वाली इन योजनाओं के कारण ही महाराष्ट्र में भाजपा को प्रचंड जीत मिली। मध्य प्रदेश, हिमाचल, कर्नाटक और झारखंड में भी ऐसी योजनाएं वोट हासिल करने का जरिया बनीं। अब दिल्ली में आम आदमी पार्टी भी इसी तरह की योजना लेकर आई है। राजनीतिक दल चाहे जो दावा करें, सरकारी कोष पर बोझ बनने वाली ऐसी योजनाओं को संचालित करने से बुनियादी बदलाव लाने वाली योजनाएं शुरू करने में समस्या होती है। मोदी सरकार कुछ दूरगामी प्रभाव वाली नीतियों पर कार्य कर रही है, जैसे जल प्राधिकारण बनाने की तैयारी। उसने तीन नए आपराधिक कानूनों पर अमल भी शुरू हुआ है। इसके अलावा मोदी सरकार ने कुछ अन्य ऐसी योजनाएं शुरू की हैं, जो प्रभावशाली हैं, लेकिन उनके नतीजे सामने आने में समय लगेगा। कोई नहीं जानता कि महत्वाकांक्षी उद्देश्य वाले जल प्राधिकरण के गठन का लाभ कब तक मिलने मिलेगा। इसी तरह यह कहना भी कठिन है कि राष्ट्रीय जल नीति कब तक प्रभावी रूप में लागू हो सकेगी। ध्यान रहे कि अभी जनता को शुद्ध पेयजल के ही लाले पड़े रहते हैं। यह ठीक है कि हर घर नल योजना आगे बढ़ रही है, लेकिन क्या वह सभी को शुद्ध पेयजल उपलब्ध करा पा रही है? आज भारत जिन समस्?याओं से जूझ रहा है, वे पिछले कई वर्षों में अनदेखी के चलते गंभीर रूप ले चुकी हैं। उदाहरणस्वरूप शहरों का चरमराता आधारभूत ढांचा, बिगड़ती हुई आबोहवा और नदियों का अत्?यधिक प्रदूषित होते जाना। ये समस्याएं स्?वास्?थ्?य के लिए हानिकारक बन रही हैं। तथ्य यह भी है कि किसानों की हालत सुधारने के अनेक कदम उठाए जाने के बाद भी उनकी आय दोगुना करने का लक्ष्य दूर है। मोदी सरकार न्यायपालिका की कार्यप्रणाली में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं कर सकी है। समय पर न्याय सुलभ होना एक दूर की कौड़ी है। न तो न्यायपालिका में सुधार हो पा रहा है और न ही नौकरशाही में। नौकरशाही में निचले स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार कम होने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसा इसलिए है कि उसे जवाबदेह नहीं बनाया जा पा रहा है। इसी तरह पुलिस सुधार भी लंबित ही हैं। मोदी सरकार अपने पिछले कार्यकाल में जो नई शिक्षा नीति लाई थी, उस पर अमल बहुत धीमी गति से हो रहा है। अभी इस नीति के सकारात्मक प्रभाव दिखने शुरू नहीं हुए हैं। एक ओर जहां उच्च शिक्षा के लिए बड़ी संख्या में युवा विदेश की ओर रुख कर रहे हैं, वहीं जो युवा भारत में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, वे रोजगार पाने में परेशानी का सामना कर रहे हैं। युवाओं की जितनी भीड़ सरकारी नौकरियां पाने के लिए लालायित दिखती है, उतनी नौकरियां हैं नहीं। चूंकि जरूरी समझे जाने वाले राजनीतिक सुधार भी नहीं हो पा रहे हैं, इसलिए राजनीति जनसेवा के लक्ष्य से दूर होती जा रही है।

बड़ी विसंगति से मुक्त हुई स्कूली शिक्षा, सीखने की प्रक्रिया पर देना होगा अधिक ध्यान

वर्ष 1992 में आई यशपाल कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार बच्चों के स्कूल छोड़ने के पीछे ‘बस्ते का बोझ’ और विदेशी भाषा लादा जाना सबसे प्रमुख कारण है। फेल न करने की नीति के चलते शिक्षक गरीब बच्चों के प्रति और भी लापरवाह होते जा रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे उनके पास-फेल होने के लिए वे जिम्मेदार ही नहीं हैं। यह स्वागतयोग्य है कि शिक्षा का अधिकार कानून, 2009 की एक बड़ी विसंगति को केंद्र सरकार ने दूर कर दिया। अब नए सत्र से पांचवीं और आठवीं कक्षा की परीक्षा पास करने वाले छात्र ही अगली कक्षाओं में जा सकेंगे। वर्ष 2010 से पूरे देश में आठवीं तक की कक्षाओं को पास-फेल के नियम से मुक्त कर दिया गया था। ऐसा इस सीमित तर्क की आड़ में किया गया था कि फेल होने से बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं, उनका मनोबल गिर जाता है और तनाव में आ जाते हैं। इसलिए बिना परीक्षा के ही उन्हें अगली कक्षा में प्रमोट किया जा रहा था।ठीक है कि शिक्षा का अर्थ केवल परीक्षा नहीं है और परीक्षा के तनाव से छात्रों को मुक्त भी रखा जाना चाहिए, लेकिन इस नियम ने स्कूली शिक्षा को तो नुकसान पहुंचाया ही, कालेज शिक्षा को भी बर्बाद कर दिया। इसका सबसे बुरा असर देश भर के सरकारी स्कूलों पर हुआ। ज्यादातर सरकारी स्कूलों में उन गरीब परिवारों के बच्चे पढ़ते हैं, जिनकी आर्थिक-सामाजिक स्थिति अच्छी नहीं होती। उनके पास अपने बच्चों की शिक्षा की तरफ ध्यान देने के लिए न वक्त होता है, न सामर्थ्य।कोई बच्चा घर से तो स्कूल चला गया, लेकिन वह वास्तव में स्कूल में गया या नहीं या उसने क्या पढ़ाई की, इसकी जानकारी तभी मिलेगी, जब वह परीक्षा देने के बाद पास या फेल होगा। आठवीं तक फेल न करने की नीति के चलते बच्चे अगली कक्षा में तो पहुंच जा रहे थे, लेकिन उनमें से कइयों को आता-जाता कुछ भी नहीं था। इससे अगली कक्षा के शिक्षकों के सामने भी कई समस्याएं खड़ी होने लगी थीं। नतीजतन स्कूली शिक्षा में और भी गिरावट आती गई।पिछले एक दशक से प्रथम और इस जैसी दूसरी संस्थाओं के सर्वे बार-बार यह रेखांकित कर रहे थे कि आठवीं के बच्चे को चौथी क्लास का गणित नहीं आता या पांचवीं का बच्चा दूसरी क्लास की हिंदी की किताब भी नहीं पढ़ सकता। ऐसी रपटें आने के बाद दो-चार दिन तो शिक्षा व्यवस्था पर कुछ प्रश्न उठते, लेकिन उसमें सुधार के बारे में कभी गंभीरता से नहीं सोचा जाता। ऐसे में निजी स्कूल सरकारी स्कूलों के मुकाबले और आगे बढ़ते चले जा रहे थे। जिन सलाहकारों ने बच्चों को स्कूल न छोड़ने देने के लिए फेल न करने का आसान रास्ता अपनाया, उन्होंने ऐसा कोई सुझाव नहीं दिया, जिससे इस समस्या को दूर किया जा सकता।जब यही बच्चे नौवीं-दसवीं में कई-कई बार अवसर देने के बावजूद भी फेल होते गए तो मजबूर होकर राज्य सरकारों ने केंद्र से गुहार लगाई कि फेल न करने की नीति तुरंत समाप्त की जाए, क्योंकि इससे सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर और बिगड़ जाएगा। 2016 में केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड ने राज्यों की बात पर ध्यान देते हुए इस नीति को बदलने की सलाह केंद्र सरकार को दी। 2019 में केंद्र सरकार ने राज्यों की सहमति से यह संशोधन तो कर दिया कि परीक्षा के बाद ही बच्चों को अगली कक्षाओं में प्रमोट किया जाएगा, लेकिन इसे लागू करने के बारे में राज्यों के ऊपर छोड़ दिया।चूंकि शिक्षा का अधिकार समवर्ती सूची का कानून है इसलिए बिना दो तिहाई राज्य सरकारों की सहमति के यह संभव नहीं था। दिल्ली, असम, बिहार, गुजरात, हिमाचल समेत 16 राज्यों ने इसे बदल दिया, लेकिन कर्नाटक, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश जैसे राज्य और केंद्रशासित प्रदेश पांचवीं और आठवीं कक्षा में फेल न करने की नीति पर ही चल रहे थे। अब केंद्र सरकार के निर्णय के बाद देश के सभी स्कूलों में पांचवीं और आठवीं कक्षा में फेल करने की नीति इसी सत्र से लागू कर दी गई है। इस सुधार में सबसे अच्छी बात यह है कि यदि कोई बच्चा फेल हो जाता है तो दो महीने बाद उसे एक मौका और दिया जाएगा। इस बीच स्कूल ऐसे कमजोर छात्रों पर विशेष ध्यान देंगे। स्कूलों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि वे बच्चों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देंगे और उनका नाम नहीं काटेंगे। यानी किसी भी हालत में बच्चों को उसी स्कूल में पढ़ने का अधिकार बना रहेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली शिक्षा पूरी न करने और बीच में छोड़ देने की प्रवृत्ति जरूर है, लेकिन इसके लिए केवल पास-फेल की स्थितियां ही जिम्मेदार नहीं हैं। बच्चों में लिखने-पढ़ने का कुछ ज्ञान तो होना ही चाहिए। आंकड़ों में उन्हें आठवीं पास कर देने से उन्हें भविष्य में कोई फायदा नहीं मिलेगा, क्योंकि उन्हें आगे इंजीनियरिंग, मेडिकल में दाखिला लेने या नौकरी के लिए परीक्षाएं तो देनी ही होंगी। यह तर्क गले नहीं उतरता कि पांचवीं एवं आठवीं में फेल होने से स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या बढ़ जाएगी। वर्ष 1992 में आई यशपाल कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार बच्चों के स्कूल छोड़ने के पीछे ‘बस्ते का बोझ’ और विदेशी भाषा लादा जाना सबसे प्रमुख कारण है। फेल न करने की नीति के चलते शिक्षक गरीब बच्चों के प्रति और भी लापरवाह होते जा रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे उनके पास-फेल होने के लिए वे जिम्मेदार ही नहीं हैं। इस सुधार के बाद स्कूल, शिक्षक, अभिभावक और बच्चे सभी में पढ़ने-सीखने के प्रति जिम्मेदारी बढ़ेगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि इससे सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता भी बढ़ेगी।

सड़कों पर क्यों ठोकरें खाता है सरकारी नौकरी का ख्वाब

सरकारी नौकरी पाने का युवाओं का ख्वाब अमूमन इस तरह सड़कों पर दर-दर की ठोकरें खाने पर क्यों मजबूर है? देश के अधिकांश राज्य लोक सेवा आयोग अक्षमता के शिकार हैं, ऐसा क्यों बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के परीक्षार्थियों का प्रारंभिक परीक्षा रद्द करने का आंदोलन तीन हफ्ते बाद भी समाप्त नहीं हो रहा है तो इसको लेकर कई सवाल उठने लगे हैं। पहला तो यह राज्यों में सरकारी नौकरी पाने का युवाओं का ख्वाब अमूमन इस तरह सड़कों पर दर-दर की ठोकरें खाने पर क्यों मजबूर है? दूसरा, देश के अधिकांश राज्य लोक सेवा आयोग अक्षमता के शिकार हैं, ऐसा क्यों उनके द्वारा भर्ती किए जाने वाले कल के अफसरों और अन्य कर्मचारियों के चयन की शुचिता क्यों नहीं रह पाती है? ऐसा होने के लिए जिम्मेदार कौन है, सरकारी नौकरी का सपना देखने वाले या फिर इन रुआबदार नौकरियों के लिए परीक्षा आयोजित करने वाले? तीसरे, इन धांधलियों पर लगाम कब लगेगी और कौन लगाएगा बीपीएससी की 70 वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा (सीपीई) के पेपर लीक होने की खबर के बाद से गुस्साए परीक्षार्थी सड़कों पर उतरे हुए हैं और पटना के गर्दनीबाग में धरना दे रहे हैं। गड़बड़ी की गंभीर शिकायतों के बीच बीपीएससी ने 4 जनवरी को री-एग्जाम (पुनर्परीक्षा) भी आयोजित की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ, क्योंकि परीक्षार्थियों को बीपीएससी पर ही भरोसा नहीं है। (हालांकि किसी संस्था पर से भरोसा उठ जाना भी समस्या के समाधान में मददगार नहीं होता)। व्यवस्था और तंत्र पर आपको कुछ तो यकीन रखना ही होगा।बीपीएससी ने इतना जरूर माना कि बापू परिसर परीक्षा केन्द्र पर पेपर लीक हुआ, लेकिन उसने समूची परीक्षा रद्द करने से इंकार कर दिया। शक यह भी है कि परीक्षार्थियों के सड़कों पर उतरने के पीछे कोचिंग क्लास माफिया का हाथ है, क्योंकि वो सभी प्रतियोगी परीक्षाएं अपनी सुविधा और स्वार्थ के हिसाब से करवाना चाहते हैं, न होने पर आंदोलन करवा देते हैं। उधर यह राजनीतिक मुद्दा भी बन गया है।शुरू में कुछ विपक्षी दलों ने आंदोलनकारी परीक्षार्थियों के साथ खड़ा दिखने की कोशिश की, लेकिन बाद में जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर द्वारा आंदोलन को हाईजैक करता देख, दूसरे दलों ने इससे दूरी बना ली। सत्तारूढ़ एनडीए के घटक दल तो इस आंदोलन को शुरू से प्रायोजित और नीतीश सरकार को बदनाम करने वाला बता रहे हैं। हालांकि कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर मामला नहीं सुलझा तो परीक्षार्थियों का यह आंदोलन मिनी अन्ना आंदोलन में भी तब्दील हो सकता है, जो सत्तारूढ़ एनडीए के लिए खतरे की घंटी है।परीक्षा आयोजन में प्रौद्योगिकी का बढ़ता इस्तेमाल उसकी शुचिता, पारदर्शिता और त्वरितता के लिए कम, हेराफेरी के लिए ज्यादा होता दिख रहा है। अव्वल तो राज्यों में सरकारी भर्ती के विज्ञापन ही कम निकलते हैं। निकले भी तो उसमें दस गलतियां होती है या जानबूझकर की जाती हैं। मान लीजिए कि विज्ञापन के बाद प्रतियोगी परीक्षा की तारीखें घोषित हो भी गईं तो तय तिथि को परीक्षा हो जाए तो खुद को किस्मत वाला समझिए।अगर परीक्षा भी समय पर हो गई तो परीक्षा के पेपर लीक होना, पर्चे बिकना, फिर रिजल्ट बरसों लटके रहना, रिजल्ट भी आ जाए तो नियुक्ति पत्र मिलने के लिए बरसों इंतजार करने की मजबूरी अब आम बात हो गई है। केवल यूपीएससी की परीक्षाएं काफी हद तक बेहतर ढंग से हो रही हैं। वरना अन्य प्रतियोगी परीक्षा के अभ्यर्थियों को हर बात में इंसाफ के लिए या तो सड़कों पर आना पड़ता है या फिर कोर्ट की शरण लेनी पड़ती है। ऐसा क्यों हो रहा है, इसका न तो कोई जवाबदेह है और न ही किसी को इसकी चिंता है। जबकि यह देश के युवाओं के भविष्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। बीपीएससी की कहानी भी इससे अलग नहीं है। वहां बरसों बाद बड़े पैमाने पर द्वितीय श्रेणी के सरकारी पदों पर भर्तियां निकली थीं। लेकिन उसमें भी अफरा तफरी हुई। बताया जाता है कि बीपीएससी में पेपर लीक का विवाद परीक्षा के बापू सेंटर से शुरू हुआ। वहां कुछ पेपर कम पड़ गए थे तो दूसरे केन्द्र से मंगवाने पड़े। जिससे कई परीक्षार्थियों को थोड़े समय के अंतर से पेपर मिले। यकीनन यह बीपीएससी की बड़ी लापरवाही थी। अगर आयोग पर्याप्त संख्या में परीक्षार्थियो को प्रश्नपत्र भी उपलब्ध नहीं करा सकता तो इसे क्या कहा जाए? इस बीच खबर फैली कि पेपर लीक हो चुका है। यह सुनते ही छात्र भड़क गए और उन्होंने पेपर का बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस बीच एक आंदोलनकारी को पटना डीएम ने तमाचा जड़ दिया। उधर बीपीएससी का कहना है कि मामला चूंकि एक ही सेंटर का था इसलिए पूरी परीक्षा रद्द करने का सवाल ही नहीं है। लेकिन इस दलील पर परीक्षार्थियों को भरोसा नहीं हो रहा। उनका आंदोलन उग्र हो गया तो पुलिस ने लाठियां भी बरसाईं। अब जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर इस आंदोलन के पुरोधा बनकर अपनी सियासी जमीन तलाशने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच कुछ अन्य नेताओं जैसे तेजस्वी यादव आदि ने भी शुरू में आंदोलनकारियों से सहानुभूति जताई, लेकिन बाद में हाथ खींच लिया। अब परीक्षार्थियों का कहना है कि वे मुद्दे को लेकर हाई कोर्ट जाएंगे। कुलमिलाकर बिहार पीएससी परीक्षार्थियों को कोई राहत जल्द मिलेगी, ऐसा लगता नहीं है। हमने पिछले साल नंवबर में उत्तर प्रदेश पीएससी के परीक्षार्थियो का आंदोलन भी देखा,जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हस्तक्षेप के बाद समाप्त हुआ था। वहां परीक्षार्थी यूपीपीएससी द्वारा नार्मलाइजेशन प्रक्रिया के बजाए पर्सेंटाइल पद्धति से परीक्षा कराने, पूरी परीक्षा एक ही पाली में कराने की मांग को लेकर आंदोलन पर उतरे थे।बता दें कि नॉर्मलाइजेशन से तात्पर्य किसी भी परीक्षा में परीक्षार्थियों की तादाद बहुत ज्यादा होने पर आयोजक दो पालियों में परीक्षा कराते हैं। ऐसे में अगर पहली पाली का पेपर कठिन आता है और उसमें अभ्यर्थियों के कम नंबर आते हैं तो दूसरी पाली का पेपर थोड़ा आसान होता है और उसमें अभ्यर्थियों के ज्यादा नंबर आते हैं तो कठिन पेपर वाली पाली के अभ्यर्थियों के नंबर में थोड़ी बढ़ोतरी कर दी जाती है। यही नॉर्मलाइजेशन कहलाता है।विरोध कर रहे अभ्यर्थियों का कहना था कि यह खेल के बीच नियम बदलने जैसा है और इसमें धांधली की पूरी गुंजाइश है। लिहाजा समूची परीक्षा एक ही पाली में कराई जाए। सवाल यह है कि जब यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा एक पाली में कराती है तो राज्य सेवा आयोग ऐसा क्यों नहीं कर सकते इसी तरह बीते दिसंबर में मप्र के इंदौर में ‘नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन’ के बैनर तले एमपीपीएससी के अभ्यर्थियों ने न्याय यात्रा निकाली थी। उनकी मांग थी कि एमपीपीएससी की 2019 की मुख्य परीक्षा की कॉपियां दिखाई जाएं और इसकी मार्कशीट जारी की जाए। साथ ही सभी विज्ञापित पदो पर एक साथ भर्ती की जाए। आंदोलनकारियों ने इंदौर में मप्र लोक सेवा आयोग के मुख्यालय पर धरना भी दिया। बाद में सरकार के दखल के बाद अभ्यर्थियों ने आंदोलन समाप्त किया। इसी तरह महाराष्ट्र में ठाकरे राज में महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग द्वारा प्रस्तावित परीक्षाएं कोरोना के कारण रद्द करने पर नाराज अभ्यर्थियों ने राज्यव्यापी आंदोलन किया था।

डिजिटल भारत की आकांक्षाओं का प्रतीक, डाटा संरक्षण अधिनियम से सबको मिलेगा फायदा

डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम 2023 के सिद्धांतों पर आधारित मसौदा नियम विभिन्न हितधारकों से एकत्र किए गए व्यापक इनपुट और वैश्विक सर्वोत्तम तौर-तरीकों के अध्ययन का परिणाम है। नागरिकों व्यवसायों और नागरिक समाज से प्रतिक्रिया और सुझाव आमंत्रित करते हुए हमने सार्वजनिक परामर्श के लिए 45-दिनों की अवधि निर्धारित की है। यह डिजिटल-प्रथम दृष्टिकोण सहमति व्यवस्था और डाटा प्रबंधन कार्य तक विस्तारित है।जब हम विश्व के भविष्य के बारे में बात करते हैं, तो मानव-केंद्रित दृष्टिकोण सबसे महत्वपूर्ण होना चाहिए।' संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ये शब्द लोगों को सर्वोपरि रखने के भारत के दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। इस दर्शन ने डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण (डीपीडीपी) नियम, 2025 के मसौदे को आकार देने में हमारे प्रयासों का मार्गदर्शन किया है। अंतिम रूप दिए जाने के बाद डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023 लागू हो जाएगा, जो नागरिकों के व्यक्तिगत डाटा सुरक्षा के अधिकार की रक्षा के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगा। भारतीय नागरिक ही डीपीडीपी नियम, 2025 के केंद्र में हैं। डाटा के बढ़ते वर्चस्व वाली दुनिया में हमारा मानना है कि व्यक्तियों को शासन की रूपरेखा के केंद्र में रखना अनिवार्य है। ये नियम नागरिकों को कई अधिकारों से सशक्त बनाते हैं, जैसे सूचना आधारित सहमति, डाटा मिटाने की सुविधा और डिजिटल रूप में नामांकित व्यक्ति को नियुक्त करने की क्षमता आदि। नागरिक अब उल्लंघनों या अनधिकृत डाटा उपयोग के सामने असहाय महसूस नहीं करेंगे। उनके पास अपनी डिजिटल पहचान को प्रभावी ढंग से सुरक्षित रखने के उपाय होंगे। इससे संबंधित नियमों को सरलता एवं स्पष्टता के साथ तैयार किया गया है। इसमें सुनिश्चित किया गया है कि प्रत्येक भारतीय, चाहे उनके पास तकनीकी ज्ञान कुछ भी हो, अपने अधिकारों को समझ सकता है और उनका प्रयोग कर सकता है। सहमति स्पष्ट शब्दों में मांगी जाती है तथा नागरिकों को अंग्रेजी या संविधान में सूचीबद्ध 22 भारतीय भाषाओं में से किसी में भी जानकारी देना अनिवार्य बनाया है। यह रूपरेखा समावेशिता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आज के इस डिजिटल युग में बच्चों की विशेष देखभाल की आवश्यकता है। इसे मान्यता देते हुए नियम नाबालिगों के व्यक्तिगत डाटा का इस्तेमाल करने के लिए माता-पिता या अभिभावक की सत्यापन योग्य सहमति को अनिवार्य बनाते हैं। अतिरिक्त सुरक्षा उपाय बच्चों को शोषण, अनधिकृत प्रोफाइल बनाने और अन्य डिजिटल नुकसान से बचाव सुनिश्चित करते हैं। ये प्रविधान भविष्य की पीढ़ी के लिए एक सुरक्षित डिजिटल परिदृश्य बनाने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाते हैं। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था एक वैश्विक सफलता की गाथा रही है और हम इस गति को बनाए रखने के प्रति दृढ़ हैं। हमारी रूपरेखा डिजिटल अर्थव्यवस्था में नवाचार को सक्षम करते हुए नागरिकों के लिए व्यक्तिगत डाटा सुरक्षा सुनिश्चित करती है। विनियमन पर बहुत अधिक जोर देने वाले कुछ अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों के विपरीत हमारा दृष्टिकोण व्यावहारिक और विकासोन्मुखी है। यह संतुलन सुनिश्चित करता है कि नागरिकों की सुरक्षा की जाए और नवाचार भावना को दबाया न जाए, जो हमारे स्टार्टअप और व्यवसायों को प्रेरित करती है। नई व्यवस्था से छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप के लिए अनुपालन बोझ कम हो जाएगा। हितधारकों की अलग-अलग क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए नियमों को वर्गीकृत जिम्मेदारियों के साथ डिजाइन किया गया है। डाटा विश्वास के मूल्यांकन के आधार पर बड़ी कंपनियों के पास बड़े दायित्व होंगे, जो विकास को बाधित किए बिना जवाबदेही सुनिश्चित करेंगे। इन नियमों के मूल में ‘डिजाइन से डिजिटल’ दर्शन है। डाटा सुरक्षा बोर्ड मुख्य रूप से एक डिजिटल कार्यालय के रूप में कार्य करेगा, जिसे शिकायतों का समाधान करने और अनुपालन लागू करने का काम सौंपा गया है। प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर हम दक्षता, पारदर्शिता और गति सुनिश्चित करते हैं। नागरिक शारीरिक उपस्थिति के बिना भी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। प्रगति की निगरानी कर सकते हैं और समाधान प्राप्त कर सकते हैं। यह डिजिटल-प्रथम दृष्टिकोण सहमति व्यवस्था और डाटा प्रबंधन कार्य तक विस्तारित है। प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके हम बड़ी कंपनियों के लिए अनुपालन और नागरिकों के लिए जुड़ना आसान बनाते हैं, जिससे प्रणाली में विश्वास बढ़ता है। इन नियमों की यात्रा उनके अभिप्राय जितनी ही समावेशी रही है। डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के सिद्धांतों पर आधारित, मसौदा नियम विभिन्न हितधारकों से एकत्र किए गए व्यापक इनपुट और वैश्विक सर्वोत्तम तौर-तरीकों के अध्ययन का परिणाम है। नागरिकों, व्यवसायों और नागरिक समाज से प्रतिक्रिया और सुझाव आमंत्रित करते हुए हमने सार्वजनिक परामर्श के लिए 45-दिनों की अवधि निर्धारित की है। यह जुड़ाव सामूहिक ज्ञान और भागीदारीपूर्ण नीति निर्माण के महत्व में हमारे विश्वास का प्रमाण है, जबकि यह सुनिश्चित करना है कि यह व्यवस्था न केवल मजबूत हो, बल्कि हमारे सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य की अनूठी चुनौतियों के अनुकूल भी हो। यह सुनिश्चित करने के लिए कि नागरिक अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक हैं, नागरिकों को उनके व्यक्तिगत डाटा से जुड़े अधिकारों के बारे में शिक्षित करने के लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन नियमों की शुरुआत के साथ हम न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान कर रहे हैं, बल्कि एक सुरक्षित और अभिनव डिजिटल भविष्य की आधारशिला भी रख रहे हैं। डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण नियम, 2025 का मसौदा वैश्विक डाटा शासन मानदंडों को आकार देने में भारत के नेतृत्व को प्रतिबिंबित करता है। नागरिकों को केंद्र में रखते हुए नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देकर हम एक मिसाल कायम कर रहे हैं, जिसका दुनिया अनुसरण कर सकती है। हमारी प्रतिबद्धता स्पष्ट है कि इस डिजिटल युग में प्रत्येक भारतीय को सुरक्षित, सशक्त और सक्षम बनाना। मैं प्रत्येक नागरिक, व्यवसाय और नागरिक समाज समूह को परामर्श अवधि के दौरान टिप्पणियां और सुझाव साझा करके इस संवाद में भाग लेने के लिए आमंत्रित-प्रोत्साहित करता हूं। आइए हम सब मिलकर इन नियमों को परिष्कृत करें ताकि एक ऐसी व्यवस्था तैयार हो सके, जो वास्तव में एक सुरक्षित, समावेशी और संपन्न डिजिटल भारत की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती हो।

भारत के अंदर स्विट्जरलैंड जैसे सोनभद्र का है भौगोलिक रूपः सीएम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में आयोजित विधायक खेल महाकुंभ के समापन सम्मान कार्यक्रम में उरमौरा स्थित डायट परिसर में पहुंचे यूपी के सीएम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया गया कि जनपद के संस्कृत में और सोनभद्र जनपद से जुड़े हुए मेरे सभी प्रसिद्ध बहनो और भाइयों मैं सबसे पहले उत्तर प्रदेश की ऊर्जा राजधानी के रूप में विख्यात जनपद सोनभद्र कैसे पावन धरा को कोटि-कोटि नमन करता हूं आप सबका अभिनंदन करता हूं केवल प्रदेश ही नहीं बल्कि देश की आधी परंपरा को समेटे हुए सृष्टि के प्रारंभ के जीवाश्म पार्क गुफा चित्र प्राकृतिक संसाधनों जल एवं वन से परिपूर्ण और प्राकृतिक संसाधनों के साथ ही सांस्कृतिक एवं धार्मिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण जनपद है यहां पर 11वीं सादी का शिव द्वार मंदिर मां विंध्यवासिनी मंदिर से काशी विश्वनाथ मंदिर मां ज्वालामुखी देवी मंदिर मां मुंडेश्वरी माता मंदिर के चतुष्कोण आवरण के बीच पूरा जनपद अवस्थित है और इसलिए यह जनपद अत्यंत महत्वपूर्ण है अपनी भौगोलिक अपनी सांस्कृतिक और अपने प्राकृतिक बनावट के कारण अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भारत के अंदर स्विट्जरलैंड जैसे बनने की सामर्थ अकेले हमारा सोनभद्र जनपद रखता है इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं अकेले सोनभद्र जनपद 12000 हज़ार मेगावाट विद्युत उत्पादन करता है इसीलिए मैंने इसको कहा कि उत्तर प्रदेश का यह ऊर्जा का राजधानी के रूप में विख्यात जनपद है और इसलिए इस धरती को मैं कोटि-कोटि नमन करते हुए आप सब का हृदय से अभिनंदन करता हूं बहनो और भाइयों आज मुझे बहुत अच्छा लगा प्रधानमंत्री की प्रेरणा से नव जवान खेलकूद की बात करते हैं नए भारत की बात करते हैं तो सर्वांगीण विकास के भारत की बात होती है और याद रखना भारत विकास के नित्य प्रतिमान तप स्थापित करेगा जब उत्तर प्रदेश विकास करेगा जब हर जनपद विकास के पायदान पर मजबूती के साथ खड़ा होगा आध्यात्मिक सांस्कृतिक विरासत का विकास को हुई भौतिक विकास के कार्य भी हो शिक्षा स्वास्थ्य के साथ-साथ रोजगार और खेलकूद की गतिविधियों को भी उतनी प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाए और इसी को ध्यान में रखकर के प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्ष के अंदर विकास के नित्य नए प्रतिमान को स्थापित करने का काम किया गया 500 वर्षों की विरासत को संरक्षित करते हुए राम मंदिर के निर्माण का भव्य स्वरूप सामने आता है एक नई अयोध्या के दर्शन होते हैं तो प्रयागराज की धरती पर इस सभी का पहला महाकुंभ भी आज हमें दर्शन करने का अवसर प्राप्त हो रहा है आपने देखा होगा पिछले तीन दिन में लगभग 6 करोड़ श्रद्धालुओं ने प्रयागराज में मां गंगा यमुना और सरस्वती की पावन त्रिवेणी के संगम में डुबकी लगाकर की पुण्य की भागीदार बने हैं हर कोई प्रयागराज आना चाहता है हर कोई काशी

आना चाहता है हर कोई अयोध्या जाना चाहता है प्रधानमंत्री मोदी की विरासत और विकास की उसे परिकल्पना का साकार रूप है जो आज दुनिया देख रही है और प्रधानमंत्री मोदी के कारण उत्तर प्रदेश में नंबर वन जिला व मेडिकल कॉलेज की परिकल्पना साकार होने का काम हो रही है इन सबको में बधाई दूंगा इन्होंने बात की थी कि क्या सोनभद्र में भी मेडिकल कॉलेज बन सकता है हमने कहा बन नहीं सकता बनेगा जरूर बनेगा मेडिकल कॉलेज संचालित हो गया सोनभद्र में भी हर घर नल की योजना लागू हो पाएगी नहीं होना है और उसको भी कर दिया गया है वही सीएम ने बताया कि ग्रीन एनर्जी के रूप में भी इस क्षेत्र को विकसित करने का काम करेंगे यहां के लोगों के लिए यही पर रोजगार पैदा हो यह भी करेंगे और इस कार्यक्रम की श्रृंखला में आज हम सब आपके बीच यहां पर आए हैं मुझे बहुत अच्छा लगा और मैं धन्यवाद दूंगा जिन्होंने विधायक खेल को प्रतियोगिता को यहां पर इस रूप में लिया है सीनियर सिटीजन भी कार्यक्रम का हिस्सा खेल अमृत खेल के रूप में अपने खेल प्रतियोगिता आयोजित किया और यह भी जीवन के लिए होता है जीवन का मतलब इसमें ज्ञान भी है परिश्रम भी है और मनोरंजन भी है यह सब एक साथ मिलेगा प्रकृति के साथ हम जीने के आदमी होंगे तो स्वस्थ रहेंगे वही आज कितना अच्छा कबड्डी का प्रदर्शन किया छात्रों ने कार्यक्रम कितना अच्छा रहा ग्राम पंचायत न्याय पंचायत अच्छा लगा कि खेलकूद की प्रतियोगिता में 11000 खिलाड़ी प्रतिभाग किया 11000 खिलाड़ी प्रतिभा बने थे 11000 जिसमें प्रतिभाग प्रतियोगिता किए हैं कबड्डी अमृत खेल रसा कसी का यह सीन यह 65 वर्ष से ऊपर के खिलाड़ियों ने इसमें प्रतिमान किया 400 लोग इसमें प्रतिभा कीए क्रिकेट था निबंध लेखन और चित्रकला संस्कृत कार्यक्रम के गीत संगीत कविता खिलाड़ियों का क्रिकेट मैच था जिसमे विधायक एकादशी और जिलाधिकारी एकादशी क्रिकेट खेला था और दंगल के खिलाड़ियों के ने भी इस पूरी प्रतिभा प्रत्येक योग्यता में भाग लिया था जिसमें 11000 खिलाड़ीयो ने प्रतिभाग किया आपकी पूरी टीम को बधाई देता हूं जिन्होंने 11000 लोगों के बीच में एक सकारात्मक एक रचनात्मक का कार्य किया है सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ में परंपरागत बातें के साथ इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ने का काम किया अत्यंत रोचक भी है इसमें प्रेरणा भी है और नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए एक मार्ग दी है खो खो में अलका कुमारी ने विजई बनाकर के प्रतियोगिता दी थी शतरंज में आयुष सिंह ने दौड़ में सुमन ने अंजुमन ने खुशबू ने और शतरंज में आयुष कुमार ने यानी यह सभी लोग प्रतियोगिता में भागीदार बने थे और अभी कबड्डी में और अमृत खेल में अपने प्रदर्शन आपके सामने अब देखा जिनको अभी मंच पर सम्मानित किया गया । पूरे जनपद में चाहता हूं और मैं देखता हूं कि सोनभद्र की टीम यहां की महिला स्वयंसेवी समूह के द्वारा बकरी के दूध से उन्होंने एक नया सॉन्ग बनाया है यहां सोनभद्र के नाम बकरी के दूध से साबुन बनाया है यहां की जनजातीय समुदाय से जुड़ी हुई महिलाओं ने डबल इंजन की सरकार भी कार्यक्रमों के साथ जुड़ रही है याद रखना की सरकार नहीं चीज के लिए प्रेरित किया में प्रधानमंत्री की प्रेरणा से हर गांव में खेल का मैदान हो हर ब्लॉक स्तर पर एक मिनी स्टेडियम और जनपद स्तर पर एक स्टेडियम है सरकार ने खेलकूद की गतिविधियों को आगे बढ़ाया है कोई स्वर्ण पदक अकाल किए हुए जीता है तो कर उत्तर प्रदेश सरकार उसको अलग से 6 करोड रुपए देती है तो 4 करोड़ और कांस्य पदक पर 2 करोड रुपए सरकार देती है ओलंपिक गेम्स में स्वर्ण पदक पर तीन तीन गेम पर रजत पदक पर दो करोड़ और कांस्य पदक पर एक करोड़ उपलब्ध कराती है और कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक पर देड करोड़ बजट पदक पर 75 लख रुपए की सहायता सरकार उपलब्ध करवाती है विश्व कप में 50 लख रुपए और ओलंपिक में प्रदेश का कोई खिलाड़ी प्रतिभा करता है तो उसे 10 लख रुपए उसे खिलाड़ी को हम राज्य सरकार के द्वारा वहां पर प्रतिभा करने के लिए प्रोत्साहन सहयोग देते हैं कॉमनवेल्थ एशियन गेम्स विश्व चैंपियनशिप में पांच-पांच लोग लाख रुपए की सहायता खिलाड़ी को अलग से देते हैं जो खिलाड़ी इन प्रतियोगिताओं में सफलतापूर्वक आगे बढ़ते हैं हम उन खिलाड़ियों को फिर सम्मानित करते हैं सरकारी नौकरी में भी जगह देते हैं ओलंपिक में जीतने वाले खिलाड़ियों को मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को हम लोग या वर्ल्ड चैंपियनशिप में सरकारों ने मेडल जीतने पर सरकारी नौकरी भी देती है ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के सदस्य थे हमने उसको मेडल जीतने पर डिप्टी एसपी का वर्दी दे दिया हॉकी टीम के सदस्य ओलंपिक में मेडल जीता टीम ने हमने उसको डिप्टी एसपी का वर्दी दे दिया है और आपका काम उत्तर प्रदेश पुलिस खेल विभाग और अन्य तमाम विभागों में सरकारी नौकरी दे चुके हैं अर्जुन पुरस्कार द्रोणाचार्य पुरस्कार या खेल के क्षेत्र में पद्म पुरस्कार से सम्मानित होने वाले खिलाड़ियों को ?20000 प्रतिमा हम उसे वित्तीय सहायता भी प्रदान करते हैं खिलाड़ियों को ?4000 राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी को ?6000 और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी को ?10000 प्रतिमा वित्तीय सहायता भी सरकार देती है और प्रदेश का पहला स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी मेरठ में हाथी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर हम लोग स्थापित कर रहे हैं हर घर नल योजना से ?3951 घरों को कनेक्शन के सापेक्ष में कार्य तिब्र गति से चल रहा है वही कनहर के 3394 करोड रुपए के लागत से कराया जा रहा है और परियोजना के जनपद सोनभद्र के दुद्धि ओबरा के 108 गांव के लगभग 50000 से भी कृषक परिवारों की 35000 हेक्टेयर से अधिक भूमि को सिंचाई की अतीक को सुविधा भी से प्राप्त होगी और मुझे यह भी बताते हुए प्रसन्नता है कि जब मैं पिछली बार आया था यहां पर संजीव गोंड और यहां के हमारे जनप्रतिनिधियों ने कहा था अनुसूचित जाति जनजाति के निवासियों को यहां पर पट्टा वितरण की कार्रवाई को और खतौनी वितरण की कार्रवाई को तो मुझे बताते प्रसन्नता के 16000 से अधिक पत्तों को अब तक यहां पर वितरण करने का कार्य भी संपन्न किया जा चुका है इसके अलावा सरकार की अन्य तमाम योजनाओं का नाम यहां उपलब्ध करवाया है वहां किसान दुर्घटना बीमा योजना हो किसान क्रेडिट कार्ड हो किसान सम्मन निधि हो या फिर अन्य समाज प्रकार की योजनाओं के बीच भारतीय ग्राम उत्कर्ष अभियान प्रधानमंत्री जनजाति उन्नत ग्राम अभियान के अंतर्गत भी जनजातीय बाहुल्य गांवों को विभिन्न आधारभूत सुविधाओं से काम किया जा रहा है और मुझे तो प्रसंशा है कि अकेले सोनभद्र जनपद की 176 गांव को इसके लिए चयन किया गया है और इसमें अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं के लिए पेपर कार्ड कौन में एकलव्य मॉडल आवश्यक विद्यालय का निर्माण भी कराया गया है अन्य ब्लाकों को भी इसके लिए चयन की प्रक्रिया के साथ जोड़ने का काम चल रहा है बहनो और भाइयों मुझे प्रसन्नता है कि अब सोनभद्र तेजी के साथ विकास की प्रक्रिया के साथ जुड़ रहा है यहां पर ग्लोबल इन्वेस्टर समिति में भी काफी बड़े पैमाने पर लोगों ने यहां पर रोजगार यहां पर 177000 करोड रुपए के निवेश यहां के लिए अकेले यानी 17000 करोड रुपए के निवेश के प्रस्ताव सोनभद्र जनपद के लिए आए हैं अगर यह सभी इंप्लीमेंट हो गए तो मानकर चलिए की 40000 नौजवानों को नौकरी मिलेगी इससे सरकार जिस मनसा के साथ इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ने का कार्य कर रही है वह सोनभद्र को ऊर्जा के साथ-साथ सर्वांगीण विकास के मार्ग पर आगे बढ़ा करके अनुसूचित जाति और हमारे जनजाति समुदायों को विकास और सर्वांगीण विकास की मुख्य धारा के साथ जोड़ने में जनपद सफल होगा आज का एक कार्यक्रम विधायक खेलकूद प्रतियोगिता का एक कार्यक्रम मैं चाहूंगा कि अन्य विधानसभा में भी इसी प्रकार के कार्यक्रम होने चाहिए और सभी जनपदों में भी ऐसा महोत्सव का आयोजन हुआ चाहिए जिससे बच्चों का क्या युवाओं का क्या लोगों का क्या बुजुर्गों का क्या पुरुषों का क्या महिलाओं का सभी को जोड़ा जाना चाहिए तब एक समग्रता है जिन खिलाड़ियों में तमाम संस्थाएं कम कर रही है उनसे कहना चाहिए और जिला सोनभद्र हर प्रकार की सुविधा से संपन्न इस पूरे क्षेत्र को विकसित करने के लिए आगे बढ़ना होगा मुझे बहुत प्रसन्नता है कि आज कार्यक्रम इतना अच्छा यहां पर मुझे लगा और मैं चाहूंगा इस प्रकार के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएंगे की अकेले उत्तर प्रदेश अकेले उत्तर प्रदेश में हम चार लाख खिलाड़ियों के भारी भारतम् फौज खड़ी कर देंगे 4 लाख से अधिक खिलाड़ियों और भाइयों एक अच्छा प्रयास है जिला प्रशासन ने इस पूरे कार्यक्रम में सहभागी बनकर के स्कोर रोचक बनाने में योगदान दिया है उसे पूरी टीम को भी धन्यवाद देता हूं और विश्वास करूंगा कि सोनभद्र जनपद विकास करते हुए नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा आप सबके लिए प्रतिभा करने वाले खिलाड़ियों का अभिनंदन जिन्होंने पदक जीते हैं उनको बधाई जो विजेता ने उपविजेता बने हैं लेकिन अगली बार आगे बढ़ेंगे प्रतिभागी टीम दर्शन रेफरी और उससे जुड़े हुए जितने भी ऑफिशिर से इन सब को भी मैं हृदय से बधाई देते हुए आप सबको महाकुंभ का आयोजन प्रयागराज की धरती पर हो रहा है इसके लिए भी आमंत्रित हृदय से करता हूं और प्रयागराज त्रिवेणी में स्नान करने के लिए आप जरूर जाएंगे आप सभी को शुभकामनाएं धन्यवाद इस दौरान विधायक खेल महाकुंभ आयोजक सदर विधायक भूपेश चौबे ,मंत्री संजीव गोंड,एम एल सी श्याम नारायण सिंह ,जिला पंचायत अध्यक्ष राधिका पटेल , जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी नंदलाल गुप्ता , पूर्व सांसद राम सकल , नरेंद्र कुशवाहा , जिला प्रभारी अनिल कुमार सिंह,घोरावल विधायक अनिल मौर्य, कार्यक्रम में उपस्थित भारतीय जनता पार्टी निषाद पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल आदि लोग मौजूद रहे।

सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर से मानसिक स्वास्थ्य पर असर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा सर्दियों का मौसम जहां सुकून और गर्म चाय-कॉफी का आनंद लेकर आता है। वहीं यह कई लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर भी डाल सकता है। सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर एक ऐसी स्थिति है, जो सर्दियों के दौरान मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। फेलिक्स अस्पताल की साइकेट्रिस्ट डॉ. आशिमा रंजन का कहना है कि सर्दियों में धूप कम मिलती है, जिससे शरीर की इंटरनल क्लॉक प्रभावित होती है। इससे सेरोटोनिन हार्मोन का स्तर

घट सकता है, जो मूड को नियंत्रित करने में मदद करता है। कम धूप के संपर्क में रहने से विटामिन डी का स्तर गिरता है, जिससे डिप्रेशन और एंग्जायटी का खतरा बढ़ता है। ठंडे मौसम के कारण लोग घरों में बंद रहते हैं और सामाजिक मेलजोल कम हो जाता है, जिससे अकेलापन महसूस हो सकता है। सर्दियों में लंबी रातें और धीमा डेली शेड्यूल स्लीप साइकिल को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे मानसिक सुस्ती हो सकती है। ठंड के कारण चलना-फिरना और एक्सरसाइज कम हो जाती है, जिससे एंडोर्फिन और हैप्पी हार्मोन्स का स्तर घट सकता है। सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर का इलाज लाइट थेरेपी है। एक विशेष प्रकार की लाइट बॉक्स के जरिए रोजाना 20-30 मिनट तक कृत्रिम रोशनी में बैठने से लाभ होता है। डॉक्टर की सलाह से विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए सप्लीमेंट लिया जा सकता है। दिमाग को शांत और सकारात्मक बनाए रखने के लिए योग और ध्यान करना बेहद प्रभावी होता है। जरूरत पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से संपर्क कर काउंसलिंग या थेरेपी ली जा सकती है। गंभीर मामलों में डॉक्टर की सलाह से दवाइयां ली जा सकती हैं। जरूरी है कि अपने रूटीन में बदलाव करें। थोड़ा वक्त बाहर समय बिताने की कोशिश करें, भले ही ठंड क्यों न हो। खुद को सकारात्मक विचारों और गतिविधियों में व्यस्त रखें। यदि पिछले साल भी सर्दियों में ऐसे लक्षण महसूस हुए थे, तो पहले ही डॉक्टर से सलाह लें। सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर के लक्षणः हर समय उदासी और निराशा महसूस होना। छोटी-छोटी बातों पर चिड़चिड़ापन या गुस्सा आना। सामान्य कार्यों में भी ऊर्जा की कमी महसूस होना। हर समय सोने की इच्छा होना। लोगों से मिलने-जुलने का मन न करना। ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होना। विशेषकर मीठे और कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन की इच्छा बढ़ना। बचाव के तरीकेः सुबह के समय 15-20 मिनट धूप में बैठें। यह मूड को बेहतर बनाने और विटामिन डी के स्तर को बढ़ाने में मदद करता है। ठंड के बावजूद घर पर ही हल्का फिजिकल एक्टिविटी करें। संतुलित आहार लें, जिसमें हरी सब्जियां, फलों और प्रोटीन की भरपूर मात्रा हो। दोस्तों और परिवार से जुड़े रहें और समय-समय पर उनसे बातचीत करें। सोने और उठने का समय तय करें और उसे नियमित रूप से फॉलो करें।

नोएडा में पहली बार रोबोटिक किडनी ट्रांसप्लांट सर्जरी म्यांमार के 68-वर्षीय मरीज पर फोर्टिस हॉस्पीटल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा ने म्यांमार के 68-वर्षीय मरीज की सफल रोबोट-एडेड किडनी ट्रांसप्लांट प्रक्रिया को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। मरीज क्रोनिक किडनी

डिज़ीज़ से पीड़ित थे और पिछले साल जून से डायलसिस पर थे। मरीज का उपचार डॉ पीयूष वार्ष्णेय, डायरेक्टर - यूरोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा के नेतृत्व में डॉक्टरों की अनुभवी टीम ने किया और उन्हें 8 दिनों बाद अस्पताल से छुट्टी दी गई। मरीज पेट के भाग में मोटापे से ग्रस्त थे जिसकी वजह से सर्जरी के बाद हीलिंग में काफी मुश्किलें पेश आतीं और इंफेक्शन का भी खतरा था। इसके अलावा, डायलसिस के दौरान भी, मरीज को कई समस्याएं पेश आ रही थीं, जैसे वे कई बार बेहोश हो जाते, उनकी मांसपेशियों में काफी जकड़न पैदा होती या लो ब्लड प्रेशर की समस्या पेश आती। इन तमाम तकलीफों की वजह से जब वह अपनी दैनिक गतिविधियों को भी ठीक प्रकार से करने में असमर्थ हो गए, तो उनके परिजनों ने किडनी ट्रांसप्लांट का विकल्प चुना और उपचार के लिए मरीज को फोर्टिस हॉस्पीटल, नोएडा में भर्ती कराया। मरीज को जब अस्पताल लाया गया तो वह काफी कमजोर थे, और टॉक्सिन्स के जमाव तथा डायलसिस के कारगर नहीं होने की वजह से उनका पोषण स्तर भी बिगड़ चुका था। अस्पताल में उनकी विस्तृत तरीके से मेडिकल जांच की गई जिसमें ब्लड टेस्ट, अल्ट्रासाउंड, कार्डियाक जांच, नसों और धमनियों का मूल्यांकन तथा अन्य कई टेस्ट शामिल हैं। इनके नतीजों ने किडनी ट्रांसप्लांट की पुष्टि की। लेकिन पेट में मोटापे और कमजोर इम्यूनिटी के चलते जटिलताओं का रिस्क काफी बढ़ चुका था और ऐसे में रोबोटिक किडनी ट्रांसप्लांट ही बेहतर विकल्प था। मरीज की बहन अपने भाई के उपचार के लिए डोनर के रूप में आगे आयीं। इस सर्जरी में 4-5 घंटे लगे और मरीज की रिकवरी भी बिना किसी जटिलता के सुगम तरीके से हुई। इस मामले की जानकारी देते हुए, डॉ अनुजा पोरवाल, डायरेक्टर - नेफ्रोलॉजी, फोर्टिस हॉस्पीटल, नोएडा ने कहा, रोबोट की मदद से किडनी ट्रांसप्लांट से मरीजों के मामले में बेहतर नतीजे सामने आते हैं, खासतौर से यदि मरीजों की उम्र अधिक हो या वे मोटापे के शिकार हों। रोबोटिक सर्जरी की सटीकता के चलते जटिलताओं का रिस्क कम होता है और मरीज की रिकवरी भी तेजी से होती है। छोटे आकार का चीरा लगाने से मरीज को कम तकलीफ होती है और एडवांस टेक्नोलॉजी की सहायता से ट्रांसप्लांट भी अधिक सटीक और सुरक्षित होता है, जिसके परिणामस्वरूप मरीज जल्द स्वास्थ्यलाभ कर अपनी दैनिक गतिविधियों को खुद करने में सक्षम बनते हैं। डॉ पीयूष वार्ष्णेय, डायरेक्टर - यूरोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा, ने कहा, रोबोट की मदद से की जाने वाली सर्जरी के कई फायदे होते हैं, खासतौर से जटिल स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित बुजुर्ग मरीजों के लिए यह उपयोगी साबित होती है। पेट के मोटापे से ग्रस्त मरीजों के मामले में, रोबोट की मदद से की जाने वाली सर्जरी में सर्जिकल साइट तक आसानी से पहुंचा जाता है, यह इंफेक्शन और हर्निया जैसी जटिलताओं को कम करने के साथ-साथ तेजी से रिकवरी में भी सहायक होती है। रोबोटिक ट्रांसप्लांट के लिए पेरी-अंबलिकल रीजन में 5 से.मी. आकार का चीरा लगाया जाता है, जो पारंपरिक सर्जरी की तुलना में काफी कम होता है, और उसके लिए मांसपेशी में चीरा लगाने की जरूरत होती है। इस प्रक्रिया में, 10 मैग्नीफिकेशन के चलते धमनियों और नसों की सटीक पहचान हो पाती है।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति हेतु तृतीय चरण की समय सारिणी निर्गत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी ने बताया कि वित्तीय वर्ष/शैक्षिक सत्र 2024-25 में अन्य पिछडा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछडे वर्ग को छोडकर) दशमोत्तर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति (अन्य दशमोत्तर कक्षाओ) हेतु तृतीय चरण की समय सारिणी निर्गत की गयी है। जिसके अनुसार निम्न प्रक्रियात्मक कार्यवाही हेतु तिथि निर्धारित की गयी है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि शिक्षण संस्थाओ द्वारा छात्रवृत्ति मास्टर डाटा बेस में सम्मिलित होने की अन्तिम तिथि 20 जनवरी, 2025 निर्धारित है। विश्वविद्यालय/एफिलिएटिंग एजेन्सी/जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा शिक्षण संस्थान की मान्यता/पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम का प्रकार, सीटो की संख्या एवं फीस आदि को ऑनलाइन पोर्टल पर अंकित एवं सत्यापित कर डिजिटल लॉक किये जाने की अन्तिम तिथि 22 जनवरी, 2025 निर्धारित है। अन्य दशमोत्तर कक्षाओ हेतु छात्रो के स्तर से ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 30 जनवरी, 2025 निर्धारित है। शिक्षण संस्थान द्वारा आवेदन पत्र को आनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करने की अन्तिम तिथि 03 फरवरी, 2025 है। विश्वविद्यालय/एफिलिएटिंग एजेन्सी द्वारा रिजल्ट अपलोड किया जाना तथा सम्बन्धित शिक्षण संस्थानो द्वारा पाठ्यक्रम व अनुमोदित सीटो के सापेक्ष सम्बन्धित शिक्षण संस्थान द्वारा अग्रसारित छात्र संख्या को सत्यापित कर लॉक करने की अन्तिम तिथि 03 फरवरी, 2025 निर्धारित है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने समस्त अन्य दशमोत्तर कक्षाओ वाले शिक्षण संस्थान से कहा है।

डकैती कि योजना बनाने वाले पांच अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा

रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण/नेतृत्व में गुरुवार को थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा लूट व चोरी की घटना पर अंकुश लागने हेतु वाहन चेकिंग के दौरान मुखबिरी सूचना की सहायता से तेन्दू पुल के पास डकैती की योजना बनाने वाले 05 अभियुक्तों को समय करीब 3.30 बजे तेन्दु तिराहा प्राथमिक विद्यालय थाना राबर्ट्सगंज से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 02 अदद अवैध देशी तमन्चा 315 बोर, 04 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर व 01 अदद स्कार्पियो वाहन संख्या ऊझ16 0270 को बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि वे पूर्व में भी ट्रक ड्राइवरों से लूट की घटना कारित करते थे । जिस पर गिरफ्तार अभियुक्तों के विरूद्ध थाना राबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0-61/2025 धारा 310(6) बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत कर मा0 न्यायालय भेजा गया । **गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-में** 1. जियुत निषाद पुत्र स्व0 गौरी शंकर निवासी मुस्तफाबाद रेता पर थाना चौबेपुर वाराणसी उम्र करीब 30 वर्ष। 2. हर्ष यादव उर्फ गोलू यादव पुत्र बल्लू यादव निवासी जाल्हुपुर थाना चौबेपुर जनपद वाराणसी उम्र करीब 20 वर्ष। 3. सुनील यादव पुत्र भरत यादव निवासी ग्राम छितौना जनपद चौबेपुर जनपद वाराणसी उम्र करीब 28 वर्ष। 4. आयूष यादव उर्फ रवि यादव पुत्र कैलाश यादव निवासी गौराकला थाना चौबेपुर जिला वाराणसी उम्र करीब 21 वर्ष। 5. सौरभ यादव पुत्र स्व0 तेज बहादुर यादव निवासी पन्ना पुर कुणाव सोनबरसा थाना चौबेपुर जिला वाराणसी उम्र करीब 20 वर्ष। वही गिरफ्तारी करने वाले पुलिस टीम-में प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार राय , उ0नि0 बृजेश कुमार पाण्डेय चौकी प्रभारी सुकृत , उनि सुनील कुमार चौकी प्रभारी चुर्क , शिवकुमार यादव अमरजीत यादव चौकी चुर्क , राजहंस।

अटल आवासीय विद्यालय में कक्षा छः व नौ में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ, करें आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। सहायक श्रमायुक्त आर0एल0 स्वरणकार ने बताया है कि अटल आवासीय विद्यालय लखनऊ, ग्राम सिठौली कलां, तहसील मोहनलालगंज, जनपद लखनऊ में लखनऊ मण्डल के जनपदों के उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों तथा कोविड-19 की महामारी के दौरान कोरोना से निराश्रित हुए बच्चों, महिला कल्याण विभाग, लखनऊ से प्राप्त सूची के आधार पर एवं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के अन्तर्गत पात्र बच्चों हेतु शैक्षिक सत्र 2025-26 में कक्षा 06 में कुल 140 सीट (70 बालक एवं 70 बालिकायें) इसी प्रकार कक्षा-9 में कुल 140 सीट (70 बालक एवं 70 बालिकायें) पर प्रवेश हेतु ऑफलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र किसी भी सामान्य कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक निःशुल्क कार्यालय सहायक श्रमायुक्त, निकट मनिका सिनेमा, गाँधीनगर, रायबरेली/जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय/बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय/जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है। पूरण भरे हुए आवेदन पत्र समस्त वांछित अभिलेखों एवं तीन अतिरिक्त फोटो के साथ 05 फरवरी 2025 की सायं 05:00 बजे तक जमा कराये जा सकते है। उन्होंने बताया है कि सभी आधुनिक सुविधाओं युक्त सह शैक्षिक आवासीय विद्यालय है। बालक/बालिकाओं के लिए पृथक-पृथक छात्रावास है। निःशुल्क गुणवत्तापूरण शिक्षा, भोजन व छात्रावास की व्यवस्था है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये खेल एवं अन्य गतिविधियां है।सहायक श्रमायुक्त ने पात्रता के बारे में बताया है कि अद्यतन नवीनीकृत निर्माण श्रमिक जो 30 नवम्बर 2024 को कम से कम तीन वर्ष बोर्ड की सदस्यता अवधि पूरण कर चुका हों। कक्षा-6 में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की जन्म तिथि 01 मई 2013 से पहले तथा 31 जुलाई 2015 के बाद की नही होनी चाहिए। कक्षा-9 के प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की जन्मतिथि 01 मई 2010 से पहले तथा 31 जुलाई 2012 के बाद की नही होनी चाहिए। कक्षा 06 एवं 09 में प्रवेश हेतु अभ्यर्थी कक्षा 05 तथा 08 में अध्ययनरत हो। प्रति परिवार के अधिकतम 02 बच्चे ही पात्र होंगें। सभी वर्गों के लिये आरक्षण नियमानुसार देय होगा। "दिव्यांग बच्चों (अर्थात् शारीरिक विकलांगता, श्रवण बाधित और दृष्टिबाधित)" के लिये आरक्षण का प्राविधान है। उन्होंने आवश्यक अभिलेख के बारे में बताया है कि निरमाण श्रमिक होने की दशा में अद्यतन नवीनीकृत निरमाण श्रमिक कार्ड। अनाथ होने की दशा में माता व पिता का मृत्यु प्रमाण-पत्र। अभ्यर्थी के जन्म प्रमाण पत्र की प्रति। अभ्यर्थी के आधार कार्ड की प्रति। जाति प्रमाण पत्र की प्रति। तीन पासपोर्ट साइज के फोटों। परीक्षा तिथि 23 फरवरी 2025 है। प्रवेश परीक्षा लखनऊ राजस्व मण्डल के जनपदों-लखनऊ, लखीमपुर खीरी, रायबरेली, सीतापुर, उन्नाव, हरदोई में करायी जाएगी। प्रवेश परीक्षा का स्थान प्रवेश पत्र के माध्यम से अवगत कराया जायेगा। विद्यालय में प्रवेश पूरण रूप से मेरिट के आधार पर किया जायेगा। आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि 05 फरवरी 2025 तक, परीक्षा तिथि 23 फरवरी 2025 को परीक्षा का समय सुबह 11:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक निरधारित है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

बिग बॉस से बाहर होकर मायूस दिखीं शिल्पा, जानें किसे विजेता बनते देखना चाहती हैं अभिनेत्री

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बिग बॉस 18 से शिल्पा शिरोडकर बाहर हो चुकी हैं। घर से निकलने के बाद हाल से बात करते हुए घर के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि बिग बॉस में जाना मेरा सपना था जो कि इस सीजन के साथ पूरा हुआ।

ही में उन्होंने मीडिया के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपने अनुभव साझा किए।बिग बॉस 18 में नजर आने वाली अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर का सफर शो के ग्रैंड फिनाले से ठीक चार दिन पहले समाप्त हो गया। सबसे कम वोट मिलने के कारण उन्हें शो से बाहर कर दिया गया। अब शो के फाइनलिस्ट विवियन डीसेना, करणवीर मेहरा, ईशा सिंह, रजत दलाल, चुम दरंग और अविनाश मिश्रा हैं। शो से बाहर होने के बाद शिल्पा को निराशा हुई, लेकिन उन्होंने इसे अपनी जिंदगी का सबसे बेहतरीन अनुभव बताया। हाल ही में उन्होंने मीडिया उन्होंने कहा कि मेरी गट फीलिंग थी कि मैं टॉप पांच में रहूंगी, लेकिन मेरी यह फीलिंग गलत साबित हुई। करण के बारे में उन्होंने कहा कि करण और मेरा रिश्ता बहुत अलग ही रहा। शिल्पा ने कहा कि करण को बाहर से आए कई मेहमानों ने भी सुझाव दिया कि शिल्पा से दोस्ती तोड़ दो, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा कि करण से बात करके उन्हें लगा कि घर में ऐसा कोई तो है जो मुझे समझता है। इस बातचीत के दौरान उन्होंने करण और चुम को घर में अपना दो स्तंभ बताया।

ये लव स्टोरी वाली फिल्में रही लीक से हटकर, दर्शकों ने भी खूब सराहा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड में अधिकतर फिल्मों में प्रेम कहानियां ही होती हैं, जिनकी स्टोरी लगभग एक जैसी नजर आती है। लेकिन समय के

साथ बॉलीवुड में ऐसी लव स्टोरी बेस्ड फिल्में भी बनीं, जो नए जमाने के हिसाब से रही। साथ ही इन फिल्मों की कहानियां भी काफी हटकर रहीं। जल्द ही श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर और आमिर खान के बेटे जुनैद खान की फिल्म 'लवयापा' रिलीज होगी। इस फिल्म के ट्रेलर से पता चलता है कि यह फिल्म एक न्यू एज लव स्टोरी है। इसमें जेन जी (उार्ह) जनरेशन के एक लड़का-लड़की के बीच प्यार होता है लेकिन शादी से पहले लड़की के पापा शर्त रखते हैं कि दोनों अपना फोन अदल-बदल लेंगे। क्या इसके बाद भी इनका प्यार बना रहेगा, यही फिल्म की कहानी होने वाली है। इस तरह की लीक से हटकर लव स्टोरी पहले भी बॉलीवुड में बनी हैं, जिन्हें दर्शकों ने काफी पसंद भी किया। रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'जाने तू या जाने ना' (2008) जब रिलीज हुई थी तो दर्शकों को यह काफी अलग किस्म की लव स्टोरी लगी। इसमें लड़का-लड़की दोस्त होते हैं, वह हमेशा दोस्त रहना चाहते हैं। लेकिन जब दोनों किसी और रिलेशनशिप में जाते हैं तो उन्हें अहसास होता है कि वे एक-दूसरे से प्यार करते हैं। फिल्म में इसी कहानी को कभी कॉमेडी तो कभी सीरियस अंदाज में दिखाया। फिल्म में लीड रोल में जेनेलिया और इमरान खान नजर आए थे।रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'ये जवानी है दीवानी (2013)' में भी हीरो अपनी शर्तों पर जिंदगी जीना चाहता है, वह कहीं बंधकर नहीं रहना चाहता है। बनी यानी रणबीर कपूर का किरदार जिंदगी को भरपूर जीना चाहता है। हीरो की यही सोच, उसे उसके प्यार यानी नैना से दूर कर देती है। इस लव स्टोरी फिल्म को भी ऑडियंस ने पसंद किया था क्योंकि कहानी को बड़े ही अलग ढंग से कहा गया।रणबीर कपूर की ही एक फिल्म 'वेक अप सिड (2009)' भी थी, इसमें रणबीर का किरदार एक जिम्मेदारी ना लेने वाले लड़के का रहा। वहीं कोंकणा सेन शर्मा का किरदार फिल्म में एक महत्वकांक्षी राइटर का है। वह रणबीर के किरदार को जिंदगी जीना सीखाती है, फोकस रहने के लिए मोटिवेट करती है। साथ ही इनके बीच एक लव स्टोरी भी चलती है।करीना कपूर और शाहिद कपूर की फिल्म 'जब वी मेट (2007)' भी एक अलग तरह की लव स्टोरी रही। इसमें गीत यानी करीना कपूर का किरदार, शाहिद कपूर के किरदार आदित्य को जिंदगी से फिर से प्यार करना सीखा देती है। फिल्म रोमांटिक कॉमेडी थी, इसे इम्तियाज अली ने निर्देशित किया था।

लगातार धीमी होती जा रही पुष्पा 2-मुफासा की रफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पुष्पा 2 और मुफासा की बॉक्स ऑफिस पर रफ्तार लगातार धीमी होती जा रही है। आइए जानते हैं कि इन फिल्मों का किंग भारतीय दर्शकों के दिलों को जीतने में कामयाब रही है। फिल्म की कहानी लोगों को काफी ज्यादा पसंद आई है। यही वजह है कि पुष्पा 2 की आंधी में भी यह फिल्म के साथ अब फिल्म के कलेक्शन की रफ्तार धीमी होती चली जा रही है। 42 दिनों में पहली बार इस फिल्म की कमाई लाखों में हुई है। छठे बुधवार को फिल्म ने 64 लाख रुपये का

बुधवार को कलेक्शन कितना रहा।बॉक्स ऑफिस पर हाल ही में कई फिल्में रिलीज हुई हैं, लेकिन पुष्पा 2 का जलवा पिछले साल से लेकर नए साल के पहले महीने में भी देखने को मिला। हालांकि, फिल्म की कमाई की गति अब धीमी होती जा रही है। वहीं, मुफासा द लायन किंग की भी कमाई में अब गिरावट आती चली जा रही है। आइए जानते हैं कि किस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर बुधवार को कितनी कमाई की। मुफासा द लायन अच्छा कारोबार करने में सफल रही। फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो 27वें दिन इस फिल्म ने 34 लाख रुपये की कमाई की। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 133.06 करोड़ रुपये हो गई है। उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले समय में 150 करोड़ के आंकड़े को छू सकती है। हालांकि, फिल्म की कमाई की रफ्तार अब काफी धीमी हो चुकी है। पुष्पा 2 द रूल का दबदबा बॉक्स ऑफिस लगभग डेढ़ महीने तक देखने को मिला। हालांकि, वक्त कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 1223.64 करोड़ रुपये हो गई है। पुष्पा 2 को सबसे अधिक प्यार हिंदी भाषी राज्यों में मिला है। तेलुगु से ज्यादा हिंदी भाषा में इस फिल्म ने कमाई की है। अब तक के आंकड़ों के मुताबिक यह फिल्म 800 करोड़ से ज्यादा इस भाषा में कारोबार कर चुकी है। फिल्म की स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल मुख्य भूमिकाओं में नजर आए हैं।

सुदीप ने अमेरिका से लौटकर बनाई थी पहली फिल्म, छोटे पर्दे पर भी खूब हासिल की लोकप्रियता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सुदीप पांडे भोजपुरी सिनेमा के चर्चित अभिनेता और निर्माता थे। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 2007 में की थी। छोटे पर्दे पर भी उन्होंने काफी ज्यादा काम किया था।भोजपुरी सिनेमा में अपनी अदाकारी से खास पहचान बनाने वाले अभिनेता सुदीप पांडे अब इस दुनिया में नहीं रहे। परिवार के अनुसार दिल का दौरा पड़ने से बुधवार (15 जनवरी) की सुबह 11 बजे उनका निधन हो गया। इस खबर के सामने आते ही फैंस समेत पूरी इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई। सुदीप पांडे का बिहार से गहरा नाता था। उनकी परवरिश बिहार में ही हुई थी। उन्होंने अपनी पढ़ाई भी यहीं से की थी। इंजीनियरिंग में स्नातक होने के बाद, वह कुछ समय तक भारत और अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर काम कर चुके थे। उन्होंने कई फर्मों में चार साल तक काम किया। हालांकि, फिल्मों में उनका झुकाव शुरू से था। इसी वजह से उन्होंने अभिनय में अपनी किस्मत आजमाई। सुदीप ने 2007 में भोजपुरी फिल्म 'भोजपुरिया भईया' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, जिसे उन्होंने खुद प्रोड्यूस भी किया था। अमेरिका से वापस लौटने के बाद उन्होंने इस फिल्म पर काम शुरू किया था। इस फिल्म ने सफलता हासिल की और इसके बाद उन्होंने भोजपुरी सिनेमा में कई हिट फिल्में कीं। उन्होंने 'भोजपुरिया दरोगा', 'मसीहा बाबू', 'हमार संगी बजरंगबली', 'हमार ललकार' 'सौतन', 'नथुनिया पे गोली मारे', 'धरती', 'कुर्बानी', 'बगावत' जैसी कई फिल्मों में अभिनय किया। इन फिल्मों में उनकी अदाकारी को काफी पसंद किया गया। सुदीप पांडे ने बिहार के पर्यटन के ब्रांड एंबेसडर के रूप में 'बिहार एक खोज' नाम के कार्यक्रम की मेजबानी भी की थी। उन्होंने कई टीवी धारावाहिकों में भी अभिनय किया, जिनमें 'सात वचन सात फेरे', 'खानदान', 'पुलिस फाइल्स', 'कहीं का हाल बा' शामिल हैं। सुदीप को उनके काम के लिए कई पुरस्कार भी मिले थे, जिनमें भोजपुरी पुरस्कार समारोह 2008, प्रज्ञा विभूषण पुरस्कार 2011 और भोजपुरी सम्मान समारोह 2009 में अभिमन्यु पुरस्कार शामिल हैं।

साल की सबसे बड़ी फ्लॉप होने की ओर 'गेम चेंजर', जानें छठे दिन का कलेक्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राम चरण की फिल्म 'गेम चेंजर' इस साल की सबसे बड़ी फ्लॉप होने की ओर बढ़ती नजर आ रही है। शंकर के निर्देशन में अपनी लागत वसूल करती नजर नहीं आ रही है। फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो छठे दिन इस फिल्म ने महज पांच करोड़ 55 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ

बनी फिल्म 'गेम चेंजर' ने हाल ही में सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। यह फिल्म दर्शकों को पसंद नहीं आई है। बड़े बजट में बनकर तैयार हुई इस फिल्म का टिकट खिड़की पर बुरा हाल है। आइए जानते हैं कि इस फिल्म ने छठे दिन कितने करोड़ का कारोबार किया। राम चरण और कियारा आडवाणी अभिनीत 'गेम चेंजर' को 450 करोड़ के आस-पास के बजट से तैयार किया गया है। फिल्म पर निर्माताओं ने पानी की तरह पैसा बहाया है। इस फिल्म के चार गानों के लिए ही 75 करोड़ रुपये लगाए गए थे। हालांकि, रिलीज के बाद यह फिल्म ही फिल्म की कुल कमाई 111.7 करोड़ रुपये हो चुकी है। बजट के हिसाब से फिल्म की यह कमाई किसी भी तरह से संतोषजनक नहीं कही जा सकती। छह दिनों में फिल्म के इतने कम कारोबार से अब फिल्म के फ्लॉप होने की आशंका काफी ज्यादा बढ़ चुकी है। आरआरआर के बाद से इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। इसकी रिलीज भी कई बार टलती रही, जिसके बाद आखिरकार यह 10 जनवरी से सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो सकी। गेम चेंजर की कहानी कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी है।

अंडरवर्ल्ड का खौफ, चिड़िया उड़ में खूंखार लगे जैकी श्रॉफ, फैंस ने की तारीफ

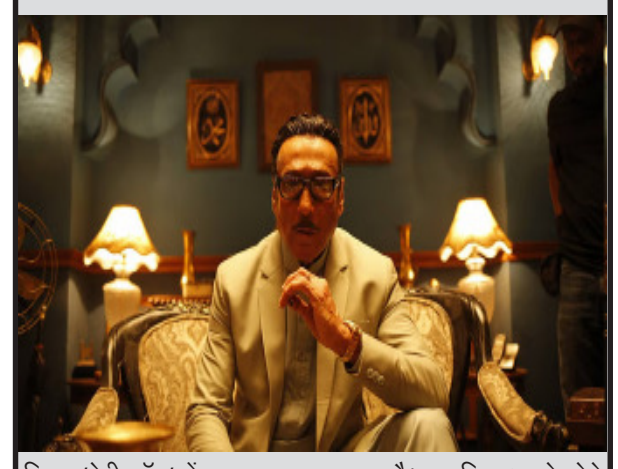

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। चिड़िया उड़' मुंबई, अपराध, वेश्यावृति और अपनी जिंदगी के लिए लड़ती एक गांव की लड़की की कहानी है, जिसमें जैकी श्रॉफ ने अपने किरदार से दर्शकों की खूब तारीफें बटोरी हैं। जैकी श्रॉफ इन दिनों अपनी आगामी जो लोग इससे बाहर निकलना चाहते हैं, यह सीरीज उनके दर्द को बखूबी बयां करती है।सीरीज की कहानी में जैकी का किरदार कादिर पूरे शहर में सम्मान प्राप्त करता है और पूरे नेटवर्क की चाबी रखता है। हालांकि, वह अपने निजी संबंधों में काफी उलझा हआ

फिल्म 'बेबी जॉन' में खलनायक के रूप में अपने रोल को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वरुण धवन मुख्य भूमिका में हैं। स्क्रीन पर खतरनाक किरदार निभाने वाले जैकी अब अमेजन एमएक्स प्लेयर के सीरीज 'चिड़िया उड़' में नजर आ रहे हैं। इस सीरीज में दर्शक एक बार जैकी श्रॉफ के खतरनाक अवतार को देख पाएंगे क्योंकि पूरी सीरीज अंडरवर्ल्ड के इर्द गिर्द घूमती है।सीरीज में जैकी किरदार का नाम कादिर खान है। जो मुंबई के अंडरवर्ल्ड पर राज करता है। सीरीज की पूरी कहानी 90 के दशक की है, जिसमें मुंबई का माहौल काफी खतरनाक होता है। इस शहर में अंडरवर्ल्ड का दबदबा होता है और जिस्मफरोशी की दुनिया की गुमनाम गलियां होती हैं। गांव से आई लड़कियों का शोषण किया जाता है और रहता है। कादिर अपने बेटे अकरम को अपना उत्तराधिकारी बनाना चाहता है। अपने किरदार के बारे में बताते हुए जैकी श्रॉफ ने कहा, ठकादिर खान का किरदार निभाना एक बड़ी चुनौती थी। वह काफी अलग है और यह चीज मुझे उनके किरदार से जोड़ती है। जैसा कि मैं कहता हूं वह 'बिंदास' है, लेकिन उसके अपने संघर्ष हैं। इस सीरीज का निर्देशन रवि जाधव ने किया है। पूरी सीरीज को मोहिंदर प्रताप सिंह और चिंतन गांधी ने लिखी है। यह सीरीज आबिद सुरती के मशहूर उपन्यास 'केज' पर आधारित है। 'चिड़िया उड़' में भूमिका मीणा मुख्य भूमिका में हैं। इसके साथ ही सीरीज में सिकंदर खेर, मधुर मित्तल, मयूर मोरे और मीता वशिष्ठ भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

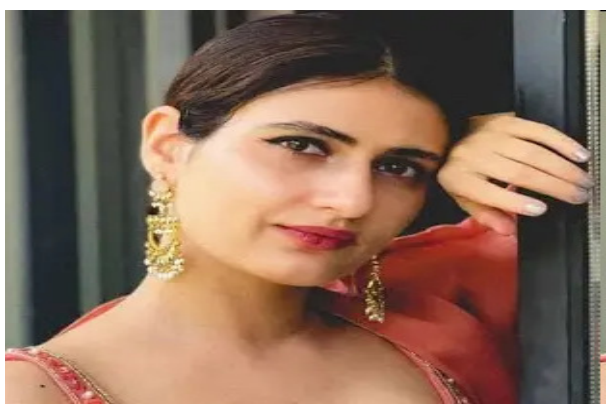

कौन सा कमेंट पढ़कर नहीं रुकी फातिमा सना शेख की हंसी, अभिनेत्री ने किए कई दिलचस्प खुलासे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। फातिमा सना शेख ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कई दिलचस्प खुलासे किए। उन्होंने साझा किया कि एक मजेदार सोशल मीडिया टिप्पणी पढ़कर वह अपनी हंसी नहीं रोक पाई थीं।फातिमा सना शेख हिंदी सिनेमा की प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। अपने अभिनय के दम पर उन्होंने कम समय में दर्शकों के दिलों में खास पहचान बनाई है। हाल ही में उन्होंने अपने जीवन के कई पहलुओं को लेकर फिल्मफेयर से खुलकर बात की। मिर्गी के बारे में बात करते हुए उन्होंने साझा किया कि उन्हें 'दंगल' फिल्म की शूटिंग के दौरान इस बीमारी का पता चला था। फातिमा के मुताबिक एक न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर होने के

बावजूद उन्होंने खुद को मानसिक रूप से मजबूत बना रखा है। वह अब इसे अपने काम के बीच कभी आड़े नहीं आने देतीं। फातिमा ने कहा कि उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है और इससे निपटने के लिए मदद भी ली है। उन्होंने कहा कि पहले मुझे लगा कि चमकती रोशनी मिर्गी के दौरे को ट्रिगर करती है, इसलिए मैं इवेंट और स्क्रीनिंग से बचती थी और फोटोग्राफरों से फ्लैश का उपयोग न करने के लिए कहा करती थी। वे बहुत समझदार थे। बाद में मुझे एहसास हुआ कि चमकती रोशनी वास्तविक रूप से ट्रिगर नहीं करती थी, इसलिए मैंने उन्हें तस्वीरें लेने की अनुमति देनी शुरू कर दी। शुरू में मुझे सप्ताह में एक या दो बार दौरे पड़ते थे, लेकिन अब कम आते हैं। यह अभी भी कभी-कभी मेरे शूटिंग शेड्यूल को बाधित करता है, लेकिन अब हर कोई समझता है। उन्होंने कहा कि मैं अब इसे स्वीकार कर चुकी हूं, क्योंकि ये मेरे नियंत्रण के बाहर की चीज है।

बतौर एक्टर आगाज, फिर निर्देशन में जमाए पैर, ऋतिक के पापा ने दर्शकों को दीं धमाकेदार फिल्में

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नेटिफ्लिक्स पर जल्द ही 'द रोशन्स' डॉक्यूमेंट्री रिलीज होने वाली है। इसमें दर्शकों को रोशन परिवार के सदस्यों के बारे में करीब से जानने को मिलेगा। इस परिवार के मुख्य आधार राकेश रोशन के बारे में आपको बताते हैं।सिनेमा की दुनिया में कई ऐसे परिवार हैं, जो पीढ़ियों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। इनमें रोशन परिवार भी एक है। जल्द ही इस परिवार के सदस्यों पर बनी डॉक्यूमेंट्री 'द रोशन्स' रिलीज हो रही है। इसे नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा। इसमें संगीतकार रोशन, उनके दोनों बेटों राकेश रोशन-राजेश रोशन और पोते ऋतिक रोशन सहित परिवार के अन्य सदस्यों के बारे में कई दिलचस्प बातें दर्शकों को देखने को मिलेंगी। इससे डॉक्यू सीरीज की रिलीज से पहले चलिए जानते हैं राकेश रोशन के बारे में राकेश रोशन ने बतौर अभिनेता और निर्माता-निर्देशक इंडस्ट्री में पहचान बनाई है। उनका जन्म 6 सितंबर 1949 को रोशन लाल नागरथ के घर हुआ, जिन्हें संगीतकार रोशन के नाम से जाना जाता है। राकेश रोशन ने अभिनय की दुनिया में बतौर एक्टर कदम रखे। फिर उन्होंने निर्देशन की दुनिया का रुख किया और यहां वे छा गए। अभिनेता से निर्देशक बनने का राकेश रोशन का सफर काफी दिलचस्प रहा है। उन्होंने 1970 के दशक में अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। राकेश रोशन घर घर की कहानी, पराया धन, आंख मिचोली, खूबसूरत, एक कुंवारी एक कुंवारा, मन मंदिर और खेल खेल में समेत कई फिल्मों में एक के बाद एक काम करते गए। फिर आया 80 का दशक और राकेश रोशन ने निर्देशन में किस्मत आजमाने की शुरुआत की।

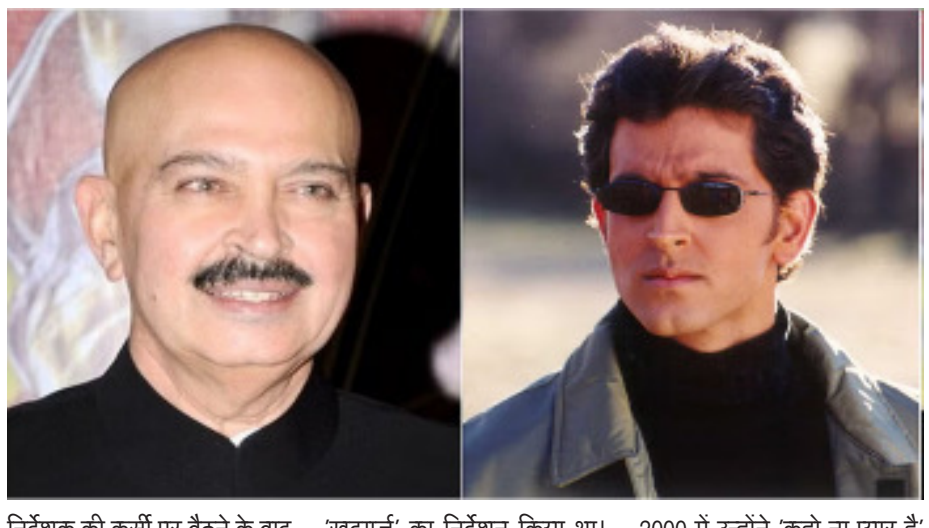

निर्देशक की कुर्सी पर बैठने के बाद उन्होंने जो कमाल दिखाया तो सिनेमा के दीवाने उनके कायल हो गए। राकेश रोशन ने साल 1987 में बतौर निर्देशक अपनी पहली फिल्म 'खुदगर्ज' का निर्देशन किया था। इसके बाद उन्होंने 'किंग अंकल', करण अर्जुन और कोयला जैसी फिल्मों के जरिए बॉलीवुड को हिट फिल्में देना शुरू कर दिया। साल 2000 में उन्होंने 'कहो ना प्यार है' का निर्देशन किया और इसी फिल्म के जरिए अपने बेटे ऋतिक रोशन को इंडस्ट्री में लॉन्च किाय। 'कहो ना प्यार है' राकेश रोशन के करियर में मील का पत्थर साबित हुई। राकेश रोशन की फिल्मों में प्यार, रोमांस, एक्शन और इमोशंस कूट-कूटकर भरे होते हैं और यही वजह है कि उनकी फिल्मों से दर्शक सीधे तौर पर जुड़े हैं। रोमांटिक, एक्शन फिल्मों के अलावा राकेश रोशन ने साइंस-फिक्शन शैली में भी हाथ आजमाया और निर्देशकों को ऐसी फिल्में बनाने के लिए प्रेरित भी किया। 2003 में रिलीज हुई 'कोई... मिल गया' ने दर्शकों को एक अलग किस्म के सिनेमा से रूबरू कराया, जिसमें इंसानी भावनाओं और विज्ञान की कल्पनाओं का अद्भुत मेल था। 2006 में राकेश ने एक बार फिर 'कृष' के जरिए भारतीय दर्शकों के सामने सुपरहीरो को पेश किया। उनकी फिल्मों में पारिवारिक संबंधों की मजबूत पकड़ देखने को मिलती है, जिससे दर्शक आसानी से जुड़ जाते हैं। इसके अलावा संगीत भी उनकी फिल्मों का एक खास पहलू होता है। राकेश रोशन को अपने काम के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (कोई मिल गया के लिए) भी मिल चुका है। राकेश रोशन से जुड़ी एक दिलचस्प बात ये है कि उनकी फिल्मों के नाम 'क' से शुरू होते हैं। जैसे- कहो ना प्यार है, कोई मिल गया, कोयला, कारोबार, खेल, किशन कन्हैया, कृष और कृष 3। रिपोर्ट्स के मुताबिक राकेश रोशन को इसकी सलाह उनके एक फैन ने दी थी, जिसे उन्होंने आजमाया। निजी जिंदगी की बात करें तो राकेश रोश की शादी 1970 में पिंकी रोशन से हुई। इनके बेटे ऋतिक रोशन को किसी परिचय की जरूरत नहीं। वहीं, बिटिया सुनैना रोशन पिता के प्रोडक्शन हाउस में काम करती हैं। इसके अलावा वे राइटर भी हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।